शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 253 | गुवाहाटी | गुरुवार, 17 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीमा वार्ता : मिजोरम प्रतिनिधिमंडल 24 को आएंगे असम पेज 2
राष्ट्र की संपत्ति लूटने वाले सोनिया-राहुल को बचाने का कांग्रेस का... पेज 3
नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की चार्जशीट को लेकर कांग्रेस ने किया विरोध-प्रदर्शन पेज 5
कप्तान अजिंक्य रहाणे ने लिया केकेआर की हार का जिम्मा, बोले-हमने... पेज 7

राज्य में आधिकारिक कामों के लिए असमिया भाषा अनिवार्य : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की कि असम में सभी सरकारी अधिसूचनाओं, आदेशों, अधिनियमों और ऐसे अन्य कार्यों के लिए असमिया अनिवार्य आधिकारिक भाषा होगी। उन्होंने आगे कहा कि बराक घाटी और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के जिलों में क्रमशः बंगाली और बोडो का उपयोग किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि इस बोहाग से असम भर में सभी सरकारी अधिसूचनाओं, आदेशों, अधिनियमों आदि के लिए असमिया अनिवार्य आधिकारिक भाषा होगी। बराक घाटी और बीटीआर के जिलों में क्रमशः बंगाली और बोडो भाषाओं का उपयोग किया जाएगा। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि असम -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन मामले में सात गिरफ्तार

सिलचर। असम के कछार जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक नुमल महत्ता ने बताया कि रविवार को बेरेंगा गांव से सिलचर शहर की ओर बिना अनुमति के विरोध मार्च निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। इसके बाद पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा था। पुलिस अधीक्षक महत्ता ने यहां संवाददाताओं को बताया कि हिंसा को और भड़कने से रोकने के लिए जिले में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। सिलचर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने आगे बताया कि भारतीय न्याय संहिता और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। महत्ता ने संवाददाताओं को बताया कि इसके बाद बागाधार और काशीपुर -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जाएगी : मुख्यमंत्री

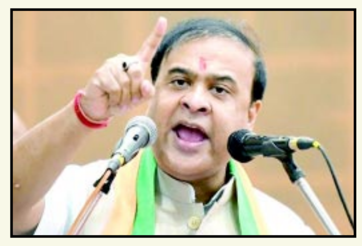

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने संबंधित लोगों को चेतावनी दी है कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में सड़कों पर किसी तरह से कोई *दंगा* नहीं करेगा। वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन के संबंध में पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि चाहे एएमएसयू (ऑल असम मुस्लिम स्टूडेंट्स यूनियन) हो या कोई और, वक्फ अधिनियम का विरोध करने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया है। इसलिए इस बारे में अधिक शोर मचाने -शेष पृष्ठ दो पर

गडकरी ने विलंबित जोरहाट-माजुली पुल के लिए प्रीकास्ट तकनीक को गेमचेंजर बताया

गुवाहाटी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आश्वासन दिया है कि बहुप्रतीक्षित जोरहाट-माजुली पुल पर काम शीघ्र ही पुनः शुरू होगा, जिसमें आधुनिक प्रौद्योगिकी और दक्षता पर नए सिरे से जोर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में, गडकरी ने बताया कि कैसे प्रीकास्ट निर्माण विधियों को अपनाने से अनुमानित लागत में काफी कमी आई है, जबकि पुल की समग्र गुणवत्ता में वृद्धि हुई है। गडकरी ने कहा कि हमारे पास माजुली पुल परियोजना है, जिसे पहले यूपी स्टेट ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड को दिया गया था। हालांकि, अब यह परियोजना एक नई एजेंसी को सौंप दी गई है। जब मैंने शुरू में इसकी घोषणा की थी, तो मुझे बताया गया था कि इसकी लागत लगभग 6,000 करोड़ रुपए होगी। बाद में, आधुनिक निर्माण तकनीकों की शुरुआत के साथ, पिछली एजेंसी द्वारा दिया -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस ने पंचायत चुनाव में भाजपा को वॉकओवर दे दिया है : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। कांग्रेस ने असम में आगामी पंचायत चुनावों में भाजपा को वॉकओवर दे दिया है..., यह दावा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि भाजपा पहले ही कम से कम 200 क्षेत्रीय पंचायत सीटें निर्विरोध जीत चुकी है। एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के दौरान आज मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इसके अलावा, 17 से 18 जिला परिषद सीटें भी भाजपा को निर्विरोध मिलेंगी। ऐसा लगता है कि भाजपा बड़े अंतर से चुनाव जीतेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद दिलीप सैकिया की मौजूदगी में डॉ. शर्मा ने विपक्ष पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पंचायत चुनावों में भाजपा को वाकओवर दे दिया।

जस्टिस बीआर गवई होंगे देश के अगले सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने औपचारिक रूप से न्यायमूर्ति बी.आर. गवई को अपना उत्तराधिकारी बनाने का प्रस्ताव दिया है। नियुक्ति प्रक्रिया के तहत यह सिफारिश विधि मंत्रालय को भेजी गई है। न्यायमूर्ति गवई वर्तमान में सीजेआई खन्ना के बाद सर्वोच्च न्यायालय के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि वो देश के 52वें मुख्य न्यायधीश होंगे। वो 14 मई को सीजेआई के रूप में शपथ लेंगे। परंपरा के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस ही अपने उत्तराधिकारी का नाम सरकार को भेजते हैं। इस बार भी यही प्रक्रिया अपनाई गई है। कानून मंत्रायल ने औपचारिक तौर पर जस्टिस खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम पूछा था, जिसके जवाब में उन्होंने जस्टिस -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

आईएमडी ने पूर्वोत्तर में कमजोर मानसून की भविष्यवाणी की

गुवाहाटी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 2025 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अपना दीर्घकालिक पूर्वानुमान जारी किया है, जिसमें देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक मौसमी वर्षा की भविष्यवाणी की गई है। हालांकि, पूर्वोत्तर तथा उत्तर-पश्चिम और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की उम्मीद है। आईएमडी ने एक बयान में कहा कि स्थानिक वितरण से पता चलता है कि उत्तर-पश्चिम भारत, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश -शेष पृष्ठ दो पर

नेशनल हेराल्ड विवाद : मुख्यमंत्री ने गांधी परिवार से 2,000 करोड़ रुपए के *बिजनेस मॉडल* का राज पूछा

गुवाहाटी। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट के खिलाफ चल रहे कांग्रेस के विरोध के बीच, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर तीखा हमला किया। शर्मा ने गांधी परिवार द्वारा नेशनल हेराल्ड के अधिग्रहण के बाद इसकी निवल संपत्ति में हुई जबरदस्त वृद्धि पर सवाल उठाया और व्यंग्यात्मक लहजे में उनके *बेहतरीन बिजनेस मॉडल* पर पारदर्शिता की मांग की। बुधवार को प्रागज्योतिषपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के समीक्षा दौरे के दौरान प्रेस को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि 50 लाख रुपए से इसकी कुल संपत्ति 2,000 करोड़ रुपए हो गई! यहां तक कि अडानी और अंबानी जैसे औद्योगिक दिग्गजों ने भी इतने कम समय में इतनी तेजी से वृद्धि नहीं देखी है। तो सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने यह चमत्कार कैसे किया? हमने उनसे पूछा, लेकिन उन्होंने रहस्य नहीं बताया। अब अदालत बताएगी। ईडी द्वारा चार्जशीट दाखिल करने के बाद, वे आखिरकार जवाबदेह होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि नेशनल हेराल्ड, जो मूल रूप से धारा 8 के तहत एक गैर-लाभकारी संस्था थी, को *गांधी परिवार ने धोखे से अपने कब्जे में ले लिया।* उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह हमारे कैंसर फाउंडेशन की तरह होना चाहिए था - गैर-लाभकारी। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

जैसे ही भय आपके करीब आए, उसपर आक्रमण कर उसे नष्ट कर दीजिए।

-अज्ञात

न्यूज गैलरी

मणिपुर में विभिन्न स्थानों से 11 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सुरक्षाबलों ने अलग-अलग स्थानों से प्रतिबंधित संगठनों के 11 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से हथियार, मोबाइल फोन, वाहन व अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद हुई है। मणिपुर पुलिस ने बुधवार को -शेष पृष्ठ दो पर

पंचायत चुनाव : कांग्रेस ने असम भाजपा विधायक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

गुवाहाटी। कांग्रेस पार्टी की असम इकाई ने बुधवार (16 अप्रैल, 2025) को राज्य चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें मई में दो चरणों में होने वाले पंचायत चुनावों से पहले मतदाताओं को डराने-धमकाने के आरोप में डिगबोई से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक सुरेन फुकन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। कांग्रेस विधायक देवव्रत सैकिया, जो 126 सदस्यीय राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने चुनाव आयोग से उन आरोपों की जांच करने का आग्रह किया है कि फुकन ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं से कहा था कि यदि वे पंचायत चुनावों में भाजपा उम्मीदवारों को वोट नहीं देंगे तो उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा। सैकिया ने राज्य चुनाव आयोग को लिखे पत्र में कहा कि मैं -शेष पृष्ठ दो पर

देश की पहली एटीएम सुविधा युक्त ट्रेन बनी पंचवटी एक्सप्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय रेलवे ने मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस में देश के पहले ऑनबोर्ड स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। इसकी शुरुआत से यात्रियों को सफर के दौरान चलती ट्रेन में नकदी निकासी का विकल्प मिल जाएगा। इसके साथ ही यह ट्रेन एटीएम सुविधा से युक्त देश की पहली ट्रेन बन गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर इस -शेष पृष्ठ दो पर

मुर्शिदाबाद में शांति की बहाली, ममता बोलीं - प्रदर्शनकारी दिल्ली जाएं

भाजपा बोली - रास्ते में ही यूपी है

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हालिया सांप्रदायिक हिंसा के बाद अब अपेक्षाकृत शांति है। हिंसा के बीच घर छोड़कर भागे लोगों धीरे-धीरे वापस लौटने लगे हैं। प्रशासन का दावा है कि बीते तीन दिनों में करीब 200 परिवार अपने गांव वापस लौट चुके हैं, जबकि 300 से अधिक लोगों की वापसी के लिए पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान सतत प्रयास कर रहे हैं। पिछले 72 घंटों में हिंसा प्रभावित इलाकों में लगातार पुलिस और बीएसएफ की गश्त ने लोगों को भरोसा दिलाया है। पुलिस ने मंगलवार को बांग्लादेश सीमा के पास देवी-देवताओं की मूर्तियां बनाने वाले बाप-बेटे की हत्या के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार -शेष पृष्ठ दो पर

जिला संगठन के माध्यम से चुनावों में उम्मीदवार उतारेगी पार्टी : राहुल

मोडासा (हि.स.)। गुजरात के मोडासा से संगठन सृजन अभियान पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को 1200 से अधिक बूथ प्रमुखों को संगठन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में पार्टी जिला संगठन के माध्यम से उम्मीदवार उतारेगी और पार्टी में नई पीढ़ी को जोड़ने पर विशेष बल दिया जाएगा। अरवल्ली जिले के मोडासा के स्वामीनारायण मंदिर हॉल में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक ओर भाजपा पर प्रहार किया तो दूसरी ओर गुजरात में संगठन की मजबूती से चुनाव जीतने की रणनीति पर बात की। राहुल गांधी ने कहा कि यह लड़ाई राजनैतिक है, लेकिन यह विचारधारा की भी लड़ाई है। देश में दो ही विचारधारा की पार्टी है, -शेष पृष्ठ दो पर

35 दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर लगी रोक

लोगों की सेहत पर पड़ रहे गलत प्रभाव के बाद सरकार का फैसला

नई दिल्ली। सरकार ने निश्चित खुराक संयोजन (एफडीसी) वाली 35 दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। बिना अनुमति बिक रहीं इन दवाओं का लोगों के सेहत पर गलत प्रभाव पड़ने के मामले सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया है। इसे लेकर शीर्ष औषधि नियामक संस्था (सीडीएससीओ) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पत्र लिखकर गैर-अनुमोदित 35 निश्चित खुराक संयोजन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। इसमें दर्द निवारक, पोषण संबंधी और मधुमेह रोधी दवाएं शामिल हैं। सीडीएससीओ ने सभी औषधि नियंत्रकों से कहा है वह निश्चित खुराक संयोजन दवाओं (एफडीसी) को लाइसेंस देने की प्रक्रिया की समीक्षा करें। साथ ही औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 और नियमों के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन कराएं। एफडीसी दवाएं वे होती हैं जिनमें एक निश्चित अनुपात में दो या अधिक सक्रिय फार्मास्युटिकल सॉल्ट होते हैं। पिछले दिनों शीर्ष औषधि नियामक को -शेष पृष्ठ दो पर

क्रिकेटर शाकिब ने यूनुस को लगाई लताड़, बोले-

मेरी संपत्ति जब्त करना आसान नहीं

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर शाकिब अल हसन एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह क्रिकेट नहीं, बल्कि राजनीति और व्यापार से जुड़ी उनकी गतिविधियां हैं। राजनीति में उतरने और कारोबारी विवादों के चलते शाकिब को संपत्ति जब्त करने का नोटिस मिला है। इस पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी। शाकिब ने सिर्फ अपनी नाराजगी ही नहीं जाहिर की, बल्कि यूनुस समेत उन सभी पर निशाना साधा, जिन्होंने उन्हें इस स्थिति का जिम्मेदार ठहराया। शाकिब ने इंटरव्यू में साफ कहा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सीमा वार्ता : मिजोरम प्रतिनिधिमंडल 24 को आएंगे असम

एजल। दो पूर्वोत्तर राज्यों के बीच लंबे समय से चल रहे सीमा विवाद को सुलझाने के लिए असम के साथ आधिकारिक स्तर की चर्चा के लिए सात सदस्यीय मिजोरम प्रतिनिधिमंडल 24 अप्रैल को गुवाहाटी के लिए रवाना होगा। इस बात की जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को दी। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गृह सचिव वनलालमाविया करेंगे, जबकि असम टीम का नेतृत्व पड़ोसी राज्य के सीमा सुरक्षा और विकास विभाग के एक प्रमुख सचिव या सचिव द्वारा किए जाने की संभावना है। बैठक 25 अप्रैल को गुवाहाटी में होने वाली है। अधिकारी ने कहा कि बैठक में मंत्रिस्तरीय वार्ता के अगले दौर के लिए जमीनी कार्य और तौर-तरीकों को तैयार करने और अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सीमा मुद्दे से संबंधित तकनीकी पहलुओं से भी निपटेगा। मंत्रिस्तरीय वार्ता का पिछला और चौथा दौर पिछले साल 9 अगस्त को एजल में हुआ था। बैठक में, जिसमें मिजोरम के गृह मंत्री के सपदांगा और असम के सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा ने भाग लिया, प्रतिनिधिमंडल ने अंतर्राज्यीय सीमा पर शांति बनाए रखने सहित पिछली वार्ता में सहमत शर्तों का पालन करना जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। दोनों राज्य इस साल 31 मार्च से पहले गुवाहाटी में मंत्रिस्तरीय बैठक के अगले दौर को आयोजित करने पर भी सहमत हुए थे, जो हालांकि नहीं हुआ। इस बीच, सपदांगा ने बुधवार को आगामी अधिकारी स्तर की वार्ता से पहले मिजोरम सीमा समिति की एक बैठक की अध्यक्षता की। इसने 25 अप्रैल की वार्ता के दौरान पेश किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेजों की समीक्षा की। सपदांगा ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि मिजोरम की सीमा सुरक्षित है। उन्होंने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए *बड़े पैमाने पर प्रयास* चल रहे हैं कि मिजोरम अपना क्षेत्र न खोए। दशकों पुराना सीमा विवाद मुख्य रूप से दो परस्पर विरोधी औपनिवेशिक युग के सीमांकनों से उपजा है - एक 1875 में बंगाल ईस्टर्न फ्रंटियर रेगुलेशन (बीईएफआर) के तहत और दूसरा 1933 से। मिजोरम का दावा है कि बीईएफआर के तहत 1875 में इनर लाइन रिजर्व्ड फॉरेस्ट (आईएलआरएफ) के 509 वर्ग मील को उसका वैध क्षेत्र या सीमा माना जाता है।

20 अप्रैल के बाद कभी भी हो सकता है भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का एलान

नई दिल्ली। भाजपा संगठन चुनाव के मद्देनजर प्रधानमंत्री आवास पर आज बड़ी बैठक हुई। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में हुई इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। हफ्ते भर के अंदर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा की जा सकती है। सूत्रों का कहना है कि बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के साथ ही उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों के भाजपा प्रदेश अध्यक्षों के नामों पर भी चर्चा की गई। अगले 2 से 3 दिन में आधा दर्जन प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा की जा सकती है। यानी कि भाजपा 18/19 अप्रैल तक भाजपा कई प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा कर सकती है। साथ ही 20 अप्रैल के बाद कभी भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा कर सकती है। इस तरह भारतीय जनता पार्टी को जल्द ही नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। इससे पहले उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के नामों का ऐलान होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयनपार्टी के संगठन को नई दिशा देने के साथ ही आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति में भी काफी अहम होगा।

चिरांग पुलिस ने किया हेरोइन के साथ एक को गिरफ्तार

चिरांग (हिंस)। चिरांग पुलिस ने हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर चिरांग जिले की बिजनी पुलिस ने दतुरी गांव में एक घर पर छापा मारकर 26 वायल संदिग्ध हेरोइन बरामद की है। जब्त पदार्थ का कुल वजन (कंटेनर सहित) 32.15 ग्राम बताया गया है। इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। चिरांग पुलिस ने दोहराया है कि नशे के खिलाफ उनकी लड़ाई लगातार जारी रहेगी और इस सामाजिक बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान तेज किया जाएगा।

रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (परिवहन) ने पूसीरे के परिचालन प्रदर्शन और विकास रणनीति की समीक्षा की

गुवाहाटी (हिंस)। रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य (परिवहन) के रवीन कुमार रेड्डी ने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) का दौरा किया और वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की। सत्र के दौरान, रेड्डी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए परिचालन सूचकांकों, जोन की उपलब्धियों और रणनीतिक अनुमानों की बारीकी से समीक्षा की। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि समीक्षा बैठक में माल लोडिंग, समय की पाबंदी, संरक्षा और राजस्व सृजन जैसे प्रमुख कार्यों के मापदंडों पर बातचीत हुई। श्री रेड्डी ने पूसी रेलवे द्वारा विशेष रूप से माल परिवहन क्षेत्र में प्रदर्शित निरंतर वृद्धि की सराहना की और टीम से लॉजिस्टिक क्षेत्र की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण और बुनियादी संरचना में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। माल परिवहन प्रदर्शन की अपनी समीक्षा में श्री रेड्डी ने मार्च 2025 के दौरान सामग्रियों के परिवहन में महत्वपूर्ण वृद्धि का उल्लेख किया। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में, पूसीरे ने सीमेंट लोडिंग में 9.6 प्रतिशत, डोलोमाइट में 9.1 प्रतिशत, उर्वरक में 28.6 प्रतिशत और *अन्य* श्रेणी में 9.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

डंपर की टक्कर से व्यक्ति की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

गोलाघाट (हिंस)। असम के गोलाघाट जिले के बेन्गेनाखुवा के खाजुरिगुरी इलाके में एक भयावह सड़क दुर्घटना में विपुल सोनोवाल नामक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। पुलिस द्वारा बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार, दोनों पति-पत्नी बाइक से अस्पताल में भर्ती एक मरीज को भोजन देने जा रहे थे। तभी एक डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे से स्थानीय लोगों में भी आक्रोश और शोक का माहौल है।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य में आधिकारिक...

राजभाषा अधिनियम, 1960 (असम अधिनियम संख्या 33, 1960) की धारा 3 के साथ धारा 7 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, असम के राज्यपाल, असम राज्य में आधिकारिक भाषा के रूप में असमिया के उपयोग और छठी अनुसूची क्षेत्रों के तहत बराक घाटी, पहाड़ी जिलों और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में स्थानीय भाषाओं के उपयोग के लिए निम्नलिखित निर्देश देते हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि केंद्र सरकार द्वारा जारी सभी अधिसूचनाएं, आदेश, अधिनियम, नियम, विनियम और दिशानिर्देश संबंधित विभाग द्वारा प्राप्ति के तीस (30) दिनों के भीतर असमिया (बोडो और बंगाली, जहां भी लागू हो) में अनुवाद करके प्रकाशित किए जाएंगे। अधिनियमों, नियमों, विनियमों और अधिसूचनाओं वाले विरासत दस्तावेजों का भी दो साल की अवधि में चरणबद्ध तरीके से असमिया (बोडो और बंगाली, जहां भी लागू हो) में अनुवाद किया जाएगा। अनुवाद कार्य राज्य के भाषा विभागों की सहायता से किया जाएगा।

वक्फ कानून के खिलाफ ...

इलाकों में अभियान चलाकर सात लोगों को गिरफ्तार किया गया जो मुख्य रूप से घटना में शामिल थे। उन्होंने बताया कि आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि विरोध प्रदर्शन में लगभग 300 लोग शामिल थे, जिन्होंने बिना पूर्व अनुमति के बेरेंगा गांव से सिलचर शहर की ओर मार्च करना शुरू कर दिया। सिलचर पुलिस थाने के पुलिस कर्मियों ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर भीड़ को आगे बढ़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया तथा भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। पुलिस के अनुसार, सिलचर सदर थाने में भारतीय दंड संहिता की धाराएं 191(2), 191(3), 190, 223, 125, 132, 121(2), 121(1) बीएनएस और पीडीपीपी एक्ट की धारा 3 के तहत केस नंबर 401/25 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में नजमुल इस्लाम लस्कर, बिदार लस्कर, रोहित हुसैन लस्कर, दिलवार हुसैन, रोहित अहमद मजूमदार, अतीकुर रहमान लस्कर तथा रियाजुल लस्कर शामिल हैं। बागाधार और काशीपुर इलाके में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके बाद सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक स्थानीय अदालत ने गिरफ्तार लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। महत्ता ने कहा कि जांच जारी है। जल्द ही और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। एसपी ने कहा कि किसी भी हिंसा को रोकने के लिए जिले में निषेधाज्ञा लागू रहेगी और कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ कोई विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि आंदोलनकारी अपनी शिकायतों के निवारण के लिए सर्वोच्च न्यायालय जाएं। इस महीने की शुरुआत में इस कानून के लागू होने के बाद कई संगठनों और लोगों ने इसके बारे में आपत्तियां दर्ज कराई थीं। कानून का मकसद वक्फ संपत्तियों के कामकाज में सुधार करना, जटिलताओं को दूर करना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और प्रौद्योगिकी-संचालित प्रबंधन शुरू करना है।

राज्य में प्रदर्शन की...

की जरूरत नहीं है। यदि किसी को कानून से संबंधित कोई बात कहनी है तो वह सर्वोच्च न्यायालय में जाकर अपनी राय व्यक्त कर सकता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कानून के खिलाफ भले ही लोग हों, लेकिन इसके पक्ष में भी लोग हैं। तो अगर आप विरोध के नाम पर सड़कों पर निकलेंगे तो क्या होगा जब समर्थक सामने आ जाएंगे? इसलिए हमारी सलाह है कि सड़कों पर लड़ाई लड़ने के बदले सुप्रीम कोर्ट जाएं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने त्वरित जवाब दिया कि इससे पहले वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक रिट दायर की गई थी। कल हमने (सरकार ने) सुप्रीम कोर्ट में भी एक अर्जी दाखिल की है, जिसमें वक्फ के पक्ष में दलील दी गई है। न्यायाधीश सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुनाएंगे। इस स्थिति में हमें क्या करना चाहिए? हमारा काम पूरा हो गया है, विधेयक संसद में पारित हो गया है और बाद में यह कानून बन गया है। गेंद अब सुप्रीम कोर्ट में है। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन, सड़कों पर अराजकता नहीं चलेगी।

गडकरी ने विलंबित ...

गया अनुमान घटकर 670 करोड़ रुपए रह गया। अब, प्रीकास्ट तकनीक के व्यापक उपयोग के साथ, हमें उम्मीद है कि कुल लागत लगभग 800 से 1,000 करोड़ रुपए होगी। यह दृष्टिकोण न केवल लागत को कम करता है और गुणवत्ता में सुधार करता है, बल्कि निर्माण के दौरान प्रदूषण को भी काफी कम करता है। उन्होंने प्रीकास्ट प्रौद्योगिकी के पर्यावरणीय लाभों पर जोर देते हुए कहा कि निर्माण के दौरान प्रदूषण के स्तर में काफी कमी आएगी। गडकरी की यह टिप्पणी पुल के निर्माण कार्य में रूकावट को लेकर बढ़ती चिंता के बीच आई है। इस पुल को असम के माजुली नदी द्वीप के लिए एक महत्वपूर्ण संपर्क माना जाता है। हालांकि, मंत्री के आशावादी रवैये के बावजूद, आधिकारिक रिकॉर्ड जमीन पर एक अलग चुनौती को दर्शाते हैं। 6.8 किलोमीटर लंबे दो लेन वाले पुल के लिए संशोधित लागत अनुमान मूल 925.47 करोड़ रुपए से बढ़कर 1,019.16 करोड़ रुपए हो गया है। निर्माण कार्य नवंबर 2021 में शुरू हुआ और इसकी प्रारंभिक समयसीमा जुलाई 2025 थी। फिर भी, फरवरी 2025 तक केवल 30.65 प्रतिशत काम ही भौतिक रूप से पूरा हो पाया था, तथा 192.50 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। इस परियोजना में तब रुकावट आई जब मूल ठेकेदार, यूपी स्टेट ब्रिज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने सितंबर 2024 में इसे छोड़ दिया, आधिकारिक तौर पर दिसंबर में वापस ले लिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बाद में पुष्टि की कि संशोधित लागत अनुमान 17 मार्च, 2025 को स्वीकृत किया गया था, और शेष कार्य के लिए निविदा जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। संसद में जोरहाट के सांसद गौरव गोगोई ने माजुली निवासियों द्वारा झेली जा रही भारी कठिनाई का हवाला देते हुए, इस देरी पर चिंता जताई। लोगों की नाराजगी सड़कों पर भी दिखी, फरवरी में स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने मानव श्रृंखला बनाकर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

आईएमडी ने पूर्वोत्तर ...

हिस्सों में सामान्य से अधिक मौसमी वर्षा होने की संभावना है, जहां सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। यह पूर्वानुमान, विशेष रूप से असम में, वर्षा में क्षेत्रीय असंतुलन को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है। मार्च के लिए आईएमडी डेटा ने राज्य भर में बारिश के वितरण में भारी अंतर दिखाया। पूर्वी असम के कई जिलों में भारी बारिश हुई, जबकि पश्चिमी और दक्षिणी असम के अधिकांश हिस्से में भारी बारिश की कमी रही। उदाहरण के लिए, धेमाजी में मार्च में 187.2 मिमी वर्षा हुई - जो इसके सामान्य औसत 93.5 मिमी से दोगुनी है। जोरहाट, शिवसागर, तिनसुकिया और डिब्रूगढ़ से भी इसी तरह की ज्यादती की खबरें आईं। इसके विपरीत, ग्वालपाड़ा में सामान्य 49.5 मिमी की तुलना में केवल 2.7 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 95 प्रतिशत की कमी दर्शाता है। नगांव में भी 90 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। जिन अन्य जिलों में गंभीर कमी देखी गई उनमें बारपेटा (-56 प्रतिशत), बक्सा (-63 प्रतिशत), कछार (-80 प्रतिशत) और दरांग (-88 प्रतिशत) शामिल हैं। कामरूप मेट्रो, जिसमें गुवाहाटी भी शामिल है, में 74 प्रतिशत वर्षा की कमी देखी गई, मार्च में केवल 18.2 मिमी बारिश हुई। शहर में इस महीने का सबसे गर्म दिन 16 मार्च को रहा, जब तापमान 35.4 डिग्री सेंट्री ग्रेड तक पहुंच गया। भविष्य को देखते हुए, आईएमडी ने अप्रैल-जून की अवधि के दौरान सामान्य से अधिक तापमान की चेतावनी दी है, साथ ही मध्य और पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों के कुछ हिस्सों में लू चलने की संभावना भी बढ़ गई है।

नेशनल हेराल्ड विवाद...

लेकिन अचानक, इसने मुनाफा कमाना शुरू कर दिया। अगर राहुल गांधी उस मॉडल को साझा कर सकते हैं, तो मैं इसका इस्तेमाल असम की अर्थव्यवस्था को बदलने के लिए कर सकता हूं। शर्मा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि वे जवाबदेही की मांग किए बिना आंख मूंदकर अपने नेताओं का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग के कांग्रेस कार्यकर्ता हैं जो इस बात से अनजान हैं कि उनके नेता कैसे पैसे कमा रहे हैं। वे असम में राजीव भवन जैसे खस्ताहाल पार्टी कार्यालयों में काम करते हैं, जबकि गांधी परिवार 2,000 करोड़ रुपए का आनंद ले रहा है। अगर वह पैसा वापस कर दिया जाए, तो इसका इस्तेमाल पार्टी के पुनर्निर्माण और कार्यकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए किया जा सकता है। अंत में उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी के खिलाफ विरोध करने के बजाय उन्हें अपने नेताओं से उनके बिजनेस मॉडल के बारे में पूछना चाहिए। शायद तब हम भी इससे लाभ उठा सकें। नेशनल हेराल्ड मामला, जिसने राजनीतिक विवाद को फिर से जन्म दे दिया है, अब बंद हो चुके नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र के प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के अधिग्रहण पर केंद्रित है। मूलतः भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित यह प्रकाशन एक समय स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख आवाज था। ईडी का आरोप है कि सोनिया और राहुल गांधी ने यंग इंडियन नामक कंपनी के माध्यम से केवल 50 लाख रुपए का निवेश करके एजेएल की संपत्ति अर्जित की, जिसका उस समय मूल्य 2,000 करोड़ रुपए से अधिक था। एजेंसी ने 9 अप्रैल को दिल्ली की एक अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया था, जिसमें गांधी परिवार के साथ-साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा का भी नाम शामिल था। इसके जवाब में, कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बुधवार को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया, तथा इससे पहले दिन में गुवाहाटी में एक रैली आयोजित की गई। राजीव भवन से ईडी कार्यालय तक मार्च करते समय एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन बोरा, रिपुन बोरा, मीरा बोरठाकुर, सरुखेत्री विधायक जाकिर हुसैन सिकदर और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में लिया गया।

जस्टिस बीआर गवई ...

गवई का नाम आगे बढ़ाया। जस्टिस गवई को 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। उनका जन्म 24 नवंबर को महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ था। वे दिवंगत आर.एस. गवई के बेटे हैं, जो बिहार और केरल के राज्यपाल रह चुके हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट में एडिशनल जज के रूप में उन्होंने 14 नवंबर 2003 को अपनी न्यायिक करियर की शुरुआत की थी। बतौर जज वो मुंबई, नागपुर, औरंगाबाद और पणजी के विभिन्न पीठों पर काम कर चुके हैं। आर्टिकल 370 हटाए जाने वाले फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं की जिन पांच मेंबर वाली संवैधानिक बेंच सुनवाई कर रही थी, उनमें जस्टिस गवई भी थे। राजनीतिक फंडिंग के लिए लाई गई इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को खारिज करने वाली बेंच का भी गवई हिस्सा थे। नोटबंदी के खिलाफ दायर अर्जियों पर सुनवाई करने वाले बेंच में भी वो शामिल थे।

पंचायत चुनाव : कांग्रेस ...

आपसे [भाजपा विधायक के खिलाफ] कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लोकतंत्र जीवित है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिमी असम के नलबाड़ी जिले में एक धार्मिक संगठन को 1 करोड़ रुपए का अनुदान देने सहित कुछ घोषणाएं करके आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। यह शिकायत एक वीडियो पर आधारित थी, जिसमें फुकन ने कथित तौर पर सरकारी लाभों को पंचायत चुनावों में वोटों से जोड़ा था। फुकन ने एक स्वतंत्र महिला उम्मीदवार के खिलाफ मतदाताओं को आगाह करने की बात स्वीकार की, लेकिन कहा कि वीडियो क्लिप में यह नहीं दिखाया गया है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा आपत्तिजनक पाए गए बयान से पहले और बाद में उन्होंने क्या कहा था। उन्होंने कहा कि मैं इस उम्मीदवार का जिक्र कर रहा था जो पिछली बार जीता था, लेकिन 71 परिवारों के लिए बनाई गई योजना से पैसे हड़पता हुआ पाया गया। मैं मतदाताओं से कह रहा था कि अगर वह फिर से चुनी गई तो उन्हें कोई फायदा नहीं होगा। लगभग 1.8 करोड़ मतदाता - 90.71 लाख पुरुष, 89.65 लाख महिलाएं और 408 अन्य - 2 और 7 मई को दो चरणों में 25,007 मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। परिणाम 11 मई को घोषित किए जाएंगे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा कि पार्टी प्रवक्ता रीतम सिंह असम में भाजपा नीत सरकार के उत्पीड़न का शिकार हो गए हैं। बुधवार को मोरीगांव जिला जेल में श्री सिंह से मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि असम में कानून और व्यवस्था का भयावह पतन हो रहा है - एक पुलिस राज्य जहां धमकी और न्याय का हनन आम बात हो गई है। आम लोग अपनी बात कह रहे हैं। मैं असम के लोगों के साथ खड़ा हूं। गोगोई ने कहा कि कांग्रेस प्रवक्ता को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और एक के बाद एक मामलों में फंसाया जा रहा है। सिंह को पहली बार 15 मार्च को लखीमपुर जिला पुलिस ने उनके गुवाहाटी आवास से एक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए गिरफ्तार किया था, जिसमें उन्होंने दो विधायकों सहित तीन वरिष्ठ भाजपा नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की स्थिति के बारे में पूछताछ की थी। उन्हें 12 अप्रैल को मोरीगांव जिला पुलिस ने दोबारा गिरफ्तार कर लिया था, क्योंकि वह किसी अन्य मामले में जमानत पर न्यायिक हिरासत से रिहा होने वाले थे।

देश की पहली एटीएम ...

इनोवेशन का एक वीडियो शेयर किया है। रेल अधिकारियों के अनुसार, भारतीय रेलवे ने यात्रियों को चलती ट्रेन में एटीएम की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र के साथ समझौता किया है। यह एटीएम दैनिक एक्सप्रेस ट्रेन के वातानुकूलित चेयर कार कोच में लगाया गया है।

मुर्शिदाबाद में शांति ...

किया है। इस बीच प्रशासन ने सभी परिवारों को संबंधित अधिकारियों के नंबर भी मुहैया कराए हैं, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके। जिलाधिकारी दीन नारायण घोष ने बताया कि दो सामुदायिक रसोइयों के माध्यम से विस्थापित लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है और राहत किट भी बांटी जा रही हैं। जंगीपुर के पुलिस अधीक्षक आनंद राय ने दावा किया कि क्षेत्र में अब पूरी तरह शांति है और लोगों को घर वापस न लौटने का कोई कारण नहीं है। सामाजिक सौहार्द के प्रयास और सोशल मीडिया पर निगरानीपुलिस ने बताया कि अफवाह फैलाने और सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कड़ी कार्रवाई की गई है। अब तक 1,093 अकाउंट्स को ब्लॉक किया जा चुका है। एडीजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने कहा कि फेसबुक, एक्स, यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर भड़काऊ पोस्ट साझा करने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई गई है। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के डीआईजी नीलोत्पल पांडे ने कहा कि सुरक्षा बल के जवान केवल किसी एक समुदाय के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए काम कर रहे है और उनका उद्देश्य 100 प्रतिशत विस्थापितों की वापसी सुनिश्चित करना है। पुलिस ने स्थानीय प्रतिनिधियों की मदद से बूथ स्तर पर शांति समितियां भी गठित की हैं, जिनका काम किसी भी अफवाह या विवाद की स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचना देना है। इस बीच राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक समारोह के दौरान दावा किया कि मुर्शिदाबाद की हिंसा पूर्व नियोजित थी और इसके पीछे भाजपा की साजिश थी। उन्होंने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि सीमा पार से आ रहे उपद्रवियों को रोकने में बल विफल रहा है।

जिला संगठन के माध्यम ...

एक कांग्रेस और दूसरा आरएसएस-भाजपा। यदि भाजपा को हराना है तो रास्ता गुजरात से होकर जाता है। राहुल ने कहा कि काफी सालों से गुजरात में पार्टी हतोत्साहित है, इस वजह से लगता है कि यह काम मुश्किल है। इसके लिए पार्टी में बदलाव लाना होगा। पार्टी के अंदर प्रोडक्टिव कम्पिटिशन होना चाहिए। राहुल ने पार्टी की कमियां गिनाते हुए कहा कि स्थानीय नेताओं को टिकट बांटने में शामिल नहीं किया जाता है। जिले के नेताओं को पावर और जिम्मेदारी देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रभारी नेता जिले के लोगों से बातचीत कर हाईकमान को 5-6 नाम देंगे, जिसमें से जिलाध्यक्ष को चुना जाएगा। स्थानीय और जनता की समस्याओं को उठाने वाले नेताओं को पार्टी आगे बढ़ाएगी, उन्हें सशक्त बनाएगी। इस अवसर पर मुकुल वासनिक, केसी वेणुगोपाल, शक्तिसिंह गोहिल, अमित चावडा, शैलेष परमार आदि समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार 8 और 9 अप्रैल को अहमदाबाद में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन कर गुजरात से इस पायलट प्रोजेक्ट का आगाज कर चुकी है। गुजरात के 41 जिला प्रमुखों के चयन एआईसीसी और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं को आब्जर्वर के रूप में नियुक्त किया जा चुका है। इससे पूर्व दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए राहुल गांधी ने 15 अप्रैल को अहमदाबाद में एआईसीसी के ऑब्जर्वरों के साथ बैठक की और दूसरे दिन 16 अप्रैल को उन्होंने मोडासा में बूथ प्रमुखों के साथ संवाद किया।

35 दवाओं के उत्पादन ...

पता चला कि कुछ एफडीसी दवाओं को सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन के बिना उत्पादन, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस दे दिया गया है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। औषधि नियंत्रकों को भेजे गए पत्र में भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) डॉ. राजीव रघुवंशी ने बिना अनुमति एफडीसी दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर चिंता जताई। उन्होंने 2013 में जारी किए गए पत्र का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों को कई पत्र जारी किए गए हैं, जिन्होंने गैर-अनुमोदित एफडीसी के निर्माण और बिक्री की अनुमति दी है। फरवरी 2025 में जारी पत्र में भी कहा गया कि निदेशालय के संज्ञान में आया है कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के तहत सुरक्षा और प्रभावकारिता के पूर्व मूल्यांकन के बिना कुछ एफडीसी दवाओं को विनिर्माण, बिक्री और वितरण के लिए लाइसेंस दिया गया है। इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को गंभीर खतरा है। ऐसी दवाओं को मंजूरी देने से रोगी सुरक्षा से समझौता होता है। वैज्ञानिक सत्यापन न होने से प्रतिकूल दवा प्रतिक्रिया, दवा पारस्परिक क्रिया और अन्य स्वास्थ्य संबंधी खतरे उत्पन्न हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह लाइसेंस संबंधित औषधि लाइसेंसिंग प्राधिकरणों द्वारा प्रदान किए गए थे और इनमें किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया गया है। इसलिए देश भर में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के तहत एनडीसीटी नियम 2019 के प्रावधान एक समान लागू नहीं हो पा रहे हैं। पत्र में कहा गया है कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रक एफडीसी के लिए अपनी अनुमोदन प्रक्रिया की समीक्षा करें और अधिनियम और नियमों के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। पत्र में 35 अस्वीकृत एफडीसी की सूची भी दी गई है।

मेरी संपत्ति जब्त ...

कि मेरी 35 प्रतिशत हिस्सेदारी वाले कारोबार की पूरी जिम्मेदारी मुझ पर डाल दी गई, जबकि बाकी 65 प्रतिशत के हिस्सेदारों का नाम तक सामने नहीं लाया गया। उनका इशारा साफ था कि उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया गया, क्योंकि उनके नाम और पहचान का इस्तेमाल करके बाकी लोग छुपे रहना चाहते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कारोबार में नुकसान कोविड-19 महामारी के कारण हुआ और उस वक्त न तो उत्पादन हो सका और न ही समय पर कर्ज की अदायगी हो पाई। शाकिब के मुताबिक, केवल 4.5 करोड़ टका की देनदारी थी, जिसमें उनकी हिस्सेदारी महज 1.2 करोड़ टका थी। इसके बावजूद उनकी संपत्ति जब्त करने का नोटिस उन्हें अनुचित और अव्यवहारिक लगा। उन्होंने कहा कि लाखों-करोड़ों के कर्जदार खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन मुझे ही टारगेट किया गया, सिर्फ इसलिए कि मेरा नाम बड़ा है। इस बयान से उन्होंने उन अधिकारियों और आलोचकों पर भी हमला बोला, जो उन्हें दोषी ठहरा रहे हैं। अपने शेयर मार्केट निवेश को लेकर उठे सवालों पर भी शाकिब ने बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने खुद कभी ट्रेडिंग नहीं की, न उनके पास ट्रेडिंग ऐप है और न ही उन्होंने खुद से कोई लेन-देन किया।

मणिपुर में विभिन्न ...

बताया कि थौबल जिले के हिरोक थाना क्षेत्र के सलुंगफम ममांग लाईकाई बाजार के पास से केसीपी (अपुनबा सिटी मैतेई) के चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। यह लोग ईंट भट्टा, सॉ मिल, बैंक, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज, ऑयल पंप, दुकानदार, ठेकेदार और स्टोन क्रेशर के अलावा आम लोगों से भी वसूली करने में शामिल थे। इन गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान मो. सारुक खान (34, थौबल वांगखेम), संगोमसंबम अख्तर अहमद (29, थौबल वांगखेम), कोंजेंगबम कुमारजीत सिंह (41, नंबोल लैमैपोकपम अवांग लाईकाई, बिष्णुपुर) तथा लैश्रम जयमंगल सिंह (47, कैरेम्बिखोक ममांग लाईकाई) थौबल के रूप में हुई है। सुरक्षाबलों ने इनके पास से एक .32 पिस्टल, मैगजीन और तीन जिंदा कारतूस, तीन 36 एचई हैंड ग्रेनेड, पांच मोबाइल फोन, एक चार-पहिया वाहन तथा दो दो-पहिया वाहन बरामद किए गए। इसके अलावा मणिपुर पुलिस ने इंफाल ईस्ट जिले के वैथौ चिरू क्षेत्र से एसओआरईपीए संगठन के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। इन सभी पर याइरिपोक क्षेत्र के स्कूलों से जबरन वसूली करने का आरोप है। यहां से गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लैशुंगबम लेनिन सिंह (31) उर्फ खुमान, युमखैबम लुखोई सिंह (32) उर्फ अबोई तथा सगोलसेम दिनेश सिंह (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से तीन मोबाइल फोन, एक दो-पहिया वाहन और अन्य सामग्री बरामद की है। एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस ने केसीपी (नोंगद्रेंखोम्बा) संगठन के एक सदस्य सलाम सदानंद सिंह (31) उर्फ एगोचा उर्फ परी को इंफाल वेस्ट के लमफेल थाने के तहत कोम्बिरेई हाउसिंग कॉम्प्लेक्स से गिरफ्तार किया है। वह इंफाल क्षेत्र में जनता से पैसों की मांग और धमकी देकर वसूली करता था। उसके पास से एक मोबाइल और आधार कार्ड बरामद हुआ।

राष्ट्र की संपत्ति लूटने वाले सोनिया-राहुल को बचाने का कांग्रेस का आंदोलन हास्यास्पद : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी, असम प्रदेश के अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया ने बुधवार एक बयान जारी कर *नेशनल हेराल्ड* मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट को लेकर कांग्रेस द्वारा किए जा रहे विरोध की तीखी आलोचना की। सैकिया ने कहा कि जेल में न रहकर बेल पर बाहर घूम रहे आरोपी सोनिया और राहुल के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया के तहत ही हेराल्ड केस चल रहा है, ऐसे में कांग्रेस का विरोध निंदनीय है और न्याय व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों से दोनों नेता जांच एजेंसियों को संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विरोध करना उनका लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन देश की भूमि और पूंजी लूटने का अधिकार उन्हें नहीं है। उन्होंने बताया कि 1937 में 5000 शेयरहोल्डरों के साथ नेशनल हेराल्ड अखबार की शुरुआत हुई थी, इसलिए यह नेहरू परिवार की निजी संपत्ति कभी नहीं रही। उन्होंने कहा कि 2008 में नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन बंद हो गया था और बाद में कांग्रेस ने अखबार को 90 करोड़ रुपए का कर्ज दिया, जो वास्तव में एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को दिया गया था-जो उस अखबार का प्रकाशक था। जब एजेएल कर्ज चुकाने में असमर्थ हुआ, तब *यंग इंडिया* नामक कंपनी के जरिए नेशनल हेराल्ड को अधिग्रहण करने का प्रयास हुआ। सैकिया ने कहा कि यंग इंडिया में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास 38-38 फीसदी शेयर थे, जबकि बाकी शेयर माकन, भूरा और ऑस्कर फर्नांडीज जैसे नेताओं के नाम पर थे। बाद में यंग इंडिया ने एजेएल की सारी संपत्तियां अपने नियंत्रण में ले लीं, जिनमें दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग की संपत्ति सहित मुंबई, लखनऊ, भोपाल और पटना की करोड़ों की संपत्तियां शामिल हैं। कांग्रेस इस संगठन को एक गैर-लाभकारी संस्था बताती रही है, लेकिन आज तक यंग इंडिया ने कोई सामाजिक या सेवा कार्य किया है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। यह पूरा मामला एक निजी शिकायत के बाद उजागर हुआ और ईडी ने जांच शुरू की। कोर्ट के निर्देशों के बाद ही सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। दिलीप सैकिया ने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज किया, इसलिए, उन्हें लगता है कि वे जांच एजेंसियों को नियंत्रित कर सकते हैं। लेकिन भाजपा ने कभी किसी सरकारी संस्था का दुरुपयोग नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह केस 2013 में दर्ज हुआ था, जब केंद्र में कांग्रेस की ही सरकार थी। ऐसे में जांच एजेंसियों को धमकाना या उनके कार्य में बाधा डालना लोकतांत्रिक परंपरा के विरुद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि गांधी परिवार की यह लूटकारी हरकतें देश की जनता किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेगी। राष्ट्र की संपत्ति लूटने वालों को बचाने कांग्रेस का यह आंदोलन केवल और केवल हास्यास्पद है।

सड़क दुर्घटना में ट्रक खलासी की मौत, चालक गंभीर रूप से घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के कठियातुली इलाके में हुए सड़क हादसे में ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया तथा खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आज सुबह कठियातुली रेंगबांग इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 37 पर सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे एक अन्य ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिसकी वजह से चालक और खलासी ट्रक के अंदर गंभीर रूप से घायल होने के साथ ही फंस गए। मौके पर पहुंची पुलिस 108 एंबुलेंस की टीम एसडीआरएफ की टीम चार घंटे बाद ट्रक के अंदर फंसे चालक और खलासी को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। इस बीच खलासी की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना इतना जबरदस्त था कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं चालक का एक एक पैर कट कर शरीर से अलग हो गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्र का मुख्यमंत्री ने किया निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में निर्माणाधीन 800-बेड के मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्र का बुधवार को निरीक्षण किया। यह अत्याधुनिक सुविधा अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि जीएमसीएच के प्रिंसिपल का कार्यालय नए अस्पताल भवन में स्थानांतरित किया जाएगा। इसके साथ ही जीएमसीएच की कुल बेड क्षमता बढ़कर तीन हजार हो जाएगी, जिससे यह देश के सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार होगा। इस परियोजना के तहत सुपर-स्पेशलिटी सेवाएं जैसे न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और किडनी ट्रांसप्लांट जैसी सुविधाएं मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसी) में उपलब्ध कराई जाएंगी। एमएमसी में एक और 800-बेड का नया ब्लॉक तेजी से बन रहा है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह विस्तार असम में स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

आत्मनिर्भर दुग्ध क्षेत्र की ओर असम सरकार का बड़ा कदम : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राज्य में दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने और असम की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने एक 7 वर्षीय दुग्ध विकास योजना तैयार की है। इस योजना का उद्देश्य हर साल 10 लाख लीटर दूध का उत्पादन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके तहत राज्य के दुग्ध क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने और उत्पादन व विपणन प्रक्रिया को उन्नत करने के लिए चार दुग्ध प्रसंस्करण परियोजनाओं की गतिविधियां केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल *नॉर्थ ईस्ट डेयरी एंड फूड्स लिमिटेड* को सौंपी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह कदम असम को आत्मनिर्भर दुग्ध उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ाएगा और किसानों के जीवन स्तर में सुधार लाने में सहायक सिद्ध होगा।

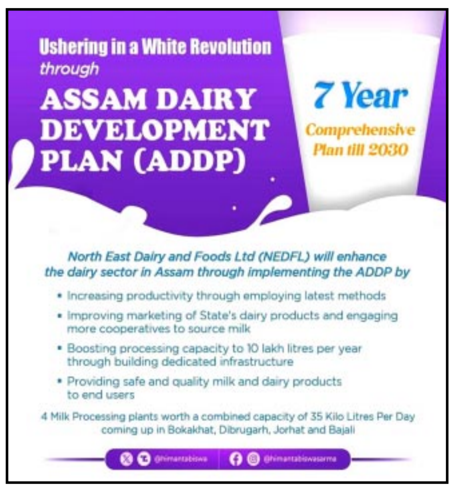

रंगापाड़ा कॉलोनी चाय बगान हत्या से जुड़ा युवक पकड़ा गया

शोणितपुर (हिंस)। रंगापाड़ा कॉलोनी चाय बगान में हुए जघन्य डेविड चांग्सा हत्याकांड से जुड़े एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए युवक का नाम आनंद कर्मकार है, जो कॉलोनी चाय बगान के अस्पताल लाइन का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस द्वारा बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार, आनंद कर्मकार इस हत्या में प्रत्यक्ष रूप से शामिल था। उल्लेखनीय है कि बीते शनिवार को डेविड चांग्सा नामक युवक को दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था और मौके से फरार हो गए थे। शनिवार रात को डेविड को उसके घर से बुलाकर सत्संग बिहार के सामने सीने में गोली मारी गई थी। इस सनसनीखेज घटना के बाद चाय बगान और समूचे रंगापाड़ा इलाके में तनाव और दहशत का माहौल फैल गया था। घटनास्थल से पुलिस ने 7.65 एमएम पिस्तौल के खाली कारतूस बरामद किए थे और कुछ दूरी पर एक बिना मालिक की अपाची मोटरसाइकिल (एपी-37-बीपी-01 नंबर) भी मिली थी। इसके बाद रंगापाड़ा थाना प्रभारी धनजीत हालोई के नेतृत्व में अभियान तेज किया गया, जिसके चलते आनंद कर्मकार को पकड़ने में सफलता मिली। हालांकि, हत्या का मुख्य आरोपी अब भी फरार है। फिलहाल पुलिस ने आनंद कर्मकार को भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है और उससे लगातार गहन पूछताछ की जा रही है।

कांग्रेस ने किया गुवाहाटी स्थित ईडी के कार्यालय का घेराव

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से कांग्रेस नेतृत्व को बदनाम करने और विपक्ष की आवाज दबाने की कथित साजिश की जा रही है। इसके खिलाफ आज पूरे देश में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। इसी क्रम में असम प्रदेश कांग्रेस के सैकड़ों नेता-कर्मियों ने गुवाहाटी स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय का घेराव किया। इस प्रदर्शन की अगुवाई प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने की। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करने की कोशिश पूरी तरह राजनीतिक और उद्देश्यपूर्ण है। भाजपा सरकार देश भर में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है और असम भी इससे अछूता नहीं है। प्रदर्शन में सांसद प्रद्युत बरदलै, तेलंगाना से सांसद मल्लु रवि, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव मनोज चौहान, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जाकिर हुसैन सिकदर, महिला कांग्रेस अध्यक्ष मीरा बरठाकुर, पूर्व सांसद रिपुन बोरा, अब्दुल खालेक, वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरा, किरीप चालिहा, राजेश जोशी, गुवाहाटी कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल शर्मा और अन्य प्रमुख नेता शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान *ईडी मुर्दाबाद, संविधान की रक्षा करो, भाजपा सरकार होश में आओ* जैसे नारे गूंजते रहे। कांग्रेस नेताओं को रोकने के लिए पुलिस ने जबरदस्त बल प्रयोग किया और कई नेताओं को गिरफ्तार कर 10वीं असम पुलिस बटालियन कैंप में हिरासत में रखा। इस पुलिसिया कार्रवाई की तीखी निंदा करते हुए भूपेन बोरा ने कहा कि यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है और यह जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सांप्रदायिक नीति के खिलाफ कांग्रेस जनता के साथ मिलकर निर्णायक संघर्ष करेगी। पूर्व सांसद रिपुन बोरा और सांसद प्रद्युत बरदलै ने भी केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि सीबीआई और ईडी जैसी संवैधानिक संस्थाओं का इस्तेमाल विपक्ष को डराने-धमकाने के लिए हो रहा है। मनोज चौहान ने कहा कि कांग्रेस संविधान बचाने के लिए अपने संघर्ष को तेज करेगी।

महानगर में दिखी ग्रामीण शैली बिहू परंपरा की झलक

स्मृतिर रंगाली के जरिए सनराइज स्पाइसेस ने बिहू परंपरा को शहर में किया जीवित

गुवाहाटी। महानगर की चकाचौंध व आधुनिकता के बीच धूल मिल होते जा रही ग्रामीण बिहू परंपरा को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से *स्मृतिर रंगाली* का शानदार आयोजन सनराइज स्पाइसेस की ओर से किया गया है। इस प्रयास के जरिए शहर की युवाओं को असमीया संस्कृति की परंपरा अनुसार ग्रामीण बिहू रु ब रु करना था। स्मृतिर रंगाली के साथ, सनराइज असमिया संस्कृति की कालातीत परंपराओं को पुनर्जीवित करते हुए शहरी स्थानों को ग्रामीण शैली के उत्सव में बदलने का अनूठा प्रयास किया है। पुरानी यादों की गहरी भावना को जगाने के उद्देश्य से की गई यह पहल सांस्कृतिक अनुभवों और आधुनिक जुड़ाव की एक ज्वलंत टेपेस्ट्री के माध्यम से ग्रामीण बिहू उत्सव की गर्मजोशी, रंग और एकता को जीवंत करती है। इस पहल के केंद्र में एक आकर्षक, गाँव से प्रेरित बिहू सेटअप है जो शहरवासियों को सीधे असम के देहाती परिदृश्य में ले जाता है। बांस की झोपड़ियाँ, घास के ढेर, मिट्टी के दीयों, लोक धुनों और हस्तनिर्मित सजावट से परिपूर्ण, हर विवरण को पारंपरिक बोहाग बिहू उत्सव के आकर्षण और प्रामाणिकता को दर्शाने के लिए सोच-समझकर तैयार किया गया है। यह केवल एक दृश्य अनुभव नहीं है - यह असम की जड़ों की एक भावनात्मक यात्रा है, जहाँ परिवार और समुदाय उत्सवी, परिचित माहौल में सदियों पुराने रीति-रिवाजों से जुड़ने के लिए एक साथ आते हैं। शहर भर में उत्सव का विस्तार करने के लिए, सनराइज ने लताशिल, चांदमारी, खानापारा और गीतानगर सहित प्रमुख स्थानों पर प्रमुख बिहू पंडालों विशेष रूप से डिजाइन की गई झांकियां और सांस्कृतिक आयोजन हैं जो पारंपरिक बिहू अनुष्ठानों को उनकी पूरी भव्यता में प्रदर्शित कर रहे हैं- प्रतीकात्मक गोरू बिहू प्रथाओं और उत्साही हुसोरी प्रदर्शनों से लेकर जीवंत बिहू नृत्य और संगीत क्रम तक, ये सभी ग्रामीण उत्सवों से प्रेरित हैं जो इस मौसम को परिभाषित करते हैं। यह अभियान सनराइज स्पाइसेस की ओर से असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति एक हार्दिक श्रद्धांजलि है - यह गुवाहाटी के निवासियों को रंगाली बिहू के सार को फिर से खोजने और उसके सबसे प्रामाणिक रूप में मनाने का मौका देता है। गांव-शैली के बिहू को शहर में लाकर, सनराइज स्पाइसेस परंपरा और आधुनिक जीवन के बीच की खाई को पाटता है, एक साझा स्थान बनाता है जहाँ यादें ताजा होती हैं और नई यादें बनती हैं। सनराइज स्पाइसेस सभी को रंगाली बिहू को सनराइज तरीके से मनाने के लिए गर्मजोशी से आमंत्रित करता है - परंपरा में निहित, संस्कृति में समृद्ध और आपके पड़ोस के दिल में। आइए, एक ऐसे उत्सव का हिस्सा बनें जो बिल्कुल घर जैसा लगता है।

एसएसबी ने किया वन माफिया के साथ अवैध लकड़ी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के सीमा चौकी ढोलखोला के अंतर्गत भारत-भूटान बॉर्डर पिलर से भारत की ओर फॉरेस्ट एरिया में सशस्त्र सीमा बल ढोलखोला के गश्ती पार्टी द्वारा वन माफियों ने जंगल में अवैध रूप से कटी हुई लड़कियां और वुड कटर मशीन तथा साइकिल के साथ दो वन माफियों के साथ जब्त किया गया। जब्त किए गए अवैध लकड़ी, वुड कटर मशीन और साइकिल सहित दोनों लकड़कटों को वन विभाग उल्टापानी को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

कठियातली बाजार में भीषण आग, बिहू की खुशियों में खलल

नगांव (हिंस)। रंगाली बिहू के उल्लास के बीच, मंगलवार की रात नगांव जिले के कठियातली रंगबंग बाजार में एक भीषण अग्निकांड की घटना घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, *मा हार्डवेयर* नामक एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान से आग की शुरुआत हुई, जिसके बाद बगल की दो दुकानें आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। स्थानीय लोगों ने पानी और बालू की मदद से आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन दमकल विभाग के देर से पहुंचने के कारण लोगों में आक्रोश व्याप्त हो गया। घटनास्थल पर *फायर ब्रिगेड गो बैक, पुलिस गो बैक* जैसे नारों से माहौल तनावपूर्ण हो गया। बाद में कठियातली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

श्री गौहाटी गौशाला में धूमधाम से मना गोरू बिहू

गुवाहाटी। असम का जातीय पर्व रंगाली बिहू के एक दिन पहले गौ माता की सेवा करके गौरु बिहू मनाया जाता है। इस अवसर पर श्री गौहाटी गौशाला परिसर में गोरू बिहू का बहुत ही सुंदर कार्यक्रम आरंभ हुआ। श्री गौहाटी गौशाला एवं पशु पक्षी सुरक्षा एवं कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में गोरू बिहू के कार्यक्रम का ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात सभी गणमान्य द्वारा गौ माता को उडद एवं सरसों के तेल से बने लेप तथा हल्दी का उबटन लगाकर नहलाया गया। गुणकारी वन औषधि टहनियों एवं पत्तो से गौमाता के शरीर को पखारते हुए किटाणुओं से मुक्त किया गया। गौ माता की चरण वंदना की गई इसके पश्चात लौकी एवं बैगुन के टुकड़े से बनी मालाओं को पहनाकर पुजन अर्चना की गई। गौ माता को रोट, गुड़ एवं हरी घास खिलाकर सभी ने आशिर्वाद ग्रहण किया। पारंपरिक सुनहरे रेशमी मुगा में सजे युवा पुरुष और महिलाओं ने खुले मैदान में बिहू नृत्य करते हुए मुकोली बिहू गीत गाये। इसके पश्चात अभिनंदन समारोह का संचालन करते हुए ट्रस्टी एवं निवर्तमान अध्यक्ष जय प्रकाश गोयनका ने गौहाटी गौशाला कार्यकारिणी के अध्यक्ष रमेश गोयनका, ट्रस्टी इनचार्ज अशोक धानुका, सचिव आर एस जोशी, उपाध्यक्ष रामावतार भरतीया, पशु पक्षी सुरक्षा एवं कल्याण समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. एलपी डेका एवं मंत्री डॉ. के बरदले के साथ साथ स्थानीय वरिष्ठ समाजसेवी अरूप गोस्वामी एवं हेमन लहकर को मंचासिन करवाया। अध्यक्ष रमेश गोयनका ने अपने सम्बोधन में सभी का स्वागत करते हुए रंगाली बिहू एवं असमिया नुतन वर्ष की शुभकामनाएं दी तथा गौरु बिहू मनाने के उद्देश्य की व्याख्या की। इसके पश्चात सभी ने पारंपरिक असमिया नाश्ते में गुड़, दही-चिड़वा, पिठा, लड्डू, जलेबी, निमकी व चाय का सभी ने लुत्फ उठाया। गौशाला मंत्री आर एस जोशी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पादित हुआ। गोरू बिहू कार्यक्रम में आयोजन कर्ता दोनो संस्थाओं के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारी, गुवाहाटी शाखा, कामरूप शाखा, अग्रवाल सभा के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में उपस्थित स्थानीय बंधुओं ने बढ़-चढ़कर अंशग्रहण किया।

धेमाजी में युवती की संदिग्ध मौत, ग्रामीणों ने की दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग

धेमाजी (हिंस)। असम के धेमाजी जिले के सिलापथार थाना क्षेत्र के सिसिबरगांव गड़मरा में एक युवती की संदिग्ध आत्महत्या की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस सूत्रों द्वारा बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार, मृत युवती के शरीर पर कई जगहों पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे मामला आत्महत्या के बजाय किसी अन्य दिशा की ओर इशारा कर रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण बड़ी संख्या में सिलापथार थाने पहुंचे और इस मामले में शामिल दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ नगर ने गुरुद्वारा में भव्य बैसाखी उत्सव मनाया

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ चारिआलि शहर के राष्ट्रीय मार्ग 15 में स्थित गुरुद्वारा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ नगर ने सहोदर भावना का परिचय देते हुए गुरुद्वारा प्रबंधन के पदाधिकारी मंजीत सिंह के विशेष सहयोग से सिख धर्मालंबियों के संग रविवार को गुरुद्वारा में बैसाखी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। इसके बाद भव्य लंगर भी लगाया गया। सर्वप्रथम निशान साहिब झंडा फहराया गया। सिख महंत द्वारा धार्मिक प्रवचन दिया गया हैं और सिख श्रद्धालुओं ने भजन व कीर्तन किया। महंत द्वारा उपस्थिति श्रद्धालुओं ने गुरु साहिब ग्रंथ पर मंत्र से पुष्प अर्पित और प्रणाम किया गया। इसके बाद महाप्रसाद वितरित गया। इसके बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला के प्रमुख और विश्वनाथ नगर समिति के प्रमुख के उपस्थिति में जमकर लंगर लगाया गया। इस शुभ अवसर पर विश्वनाथ जिला के व्यवस्थापक प्रमुख छत्तर सिंह पंवार, मुख्य मार्ग प्रमुख व सुचिकित्सक डॉ. सरजीत दास, बौद्धिक प्रमुख दीपांकर देवनाथ, जिला प्रचारक कार्तिकगढ़, भाजपा किसान मोर्चा राज्यिक उपाध्यक्ष व वरिष्ठ स्वयंसेवक भास्कर हाजरिका, विश्वनाथ नगर कार्यवाह अपूर्व कुमार दास, राजीव शर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ के स्वयंसेवक संतोष कुमार महतो और विश्वनाथ गुरुद्वारा प्रबंधन समिति पदाधिकारी आदि मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि सिख त्योहार के रूप में बैसाखी 13 अप्रैल 1699 को सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह द्वारा खालसा आदेश के जन्म का प्रतीक है। साथ ही यह सिख धर्म के नववर्ष का भी प्रतीक है। इसी दिन 1699 में सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

संपादकीय

पंजाब का भविष्य देखें

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की श्रृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है।

निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की श्रृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी।

इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है। यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था। सत्तापक्ष और विपक्ष की कारगुजारियों को देखकर निष्कर्ष निकालना कठिन नहीं है कि दोनों की तरफ से मौजूदा परिदृश्य में प्राथमिकताएं निर्धारित करने में गलती की जा रही है। यानी बयानबाजी व कार्रवाई में संकीर्ण राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे उन तत्वों को शह मिलती है जो पंजाब के अमन-चैन को ग्रहण लगाना चाहते हैं। वक्त की मांग है कि पंजाब के दूरगामी हितों से जुड़े गंभीर मुद्दों को राजनीतिक चश्मे से ही कदापि नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य के हित निश्चित रूप से राजनीति से ऊपर उठकर होने चाहिए। निस्संदेह, यदि राज्य सरकार की कारगुजारियों में नीतिगत खामियां हैं, तो विपक्ष को उन्हें सूचीबद्ध करके उजागर जरूर करना चाहिए। लेकिन आतंकवाद के खिलाफ किसी भी लड़ाई का एक स्वर में समर्थन किया जाना चाहिए। यदि जरूरत महसूस होती है तो आम आदमी पार्टी सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलाने पर भी विचार करना चाहिए। इस मामले में तथ्यात्मक स्थिति को तो उजागर करना ही चाहिए, जिससे इससे जुड़ी किसी आशंका को दूर किया जा सके। निश्चित रूप से किसी आसन्न खतरे को महसूस करके उसके खिलाफ एकीकृत प्रतिक्रिया से जहां राज्य विरोधी तत्वों का मनोबल गिरेगा, वहीं आम लोगों की आशंकाओं को भी दूर किया जा सकेगा।

आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

ललित गर्ग

नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषत: किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषत: किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है। वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा।

दृष्टि कोण

पलाश के सौंदर्य से संचित चैत्र

प्रकृति अद्भुत है। चार दिवस पूर्व चैत्र पूर्णिमा थी। फाल्गुन में बसंत का युवा रंग-रूप देखने के बाद अब वातावरण चैत्रप्रभाव में परिपक्व सौंदर्य से दमक रहा है। गत दस अप्रैल को उत्तर भारतीय भूभाग में वर्षा भी हुई थी। ओले भी गिरे थे। वर्षा ने नभमंडल और क्षितिज में फैली हुई अंधेरी धुंध को समाप्त कर दिया है। अब आगामी कुछ दिन तक व्योम, क्षितिज, धरा तीनों तत्त्व नवकांति के साथ उपस्थित होंगे। चैत्र की यह शोभना सीधे हृदय में उतरती है। यह शोभा हृदय तक ही सीमित नहीं रहती। यह आत्मा को भी स्पंदित करती है। हिमालय पर्वतों के चरणों पर स्थित वनक्षेत्र इस ऋतु में आकर्षण का पर्याय बने हुए हैं। वनों में पलाश पुष्पों की सुषमाग्नि भडकी हुई है। पलाश के पुष्पगुच्छ बारंबार एक मोहजाल बुन रहे हैं। संवेदनशील व्यक्ति इस मोहजाल में फंसते हैं और आधुनिकता पर थू-थू करते हुए चैत्रगत प्रकृति, प्राकृतिक छवि पर सम्मोहित होते हैं। वन के वन पलाश के संज्ञाहीन रंग के साथ सौंदर्य-उद्यान बने हुए हैं। क्या संज्ञा दूं पलाश पुष्प के रंग को! न यह लाल है और न ही ये पूर्ण संतरी रंग वाला है। तो फिर क्या हो इसकी रंग संज्ञा! संभवतः संज्ञाहीन है ये रंग। चाहिए भी किसे ये तुच्छ संज्ञा! भौतिकता द्वारा मृतप्रायः इस लेखक की काया पलाश से आच्छादित वनभाग देखकर पुनर्जीवित हो उठी है। आहें, श्वासें, मन, प्राण, आत्मबोध, आत्मप्रेम सभी कुछ वन के अंदर जाकर रहने को व्याकुल हैं। पलाश के प्रसून नवजीवन की सुदीप्ति प्रतीत होते हैं। इस नवजीवन में ही रमे रहने के संकल्प-विकल्प जीवन की चेतना में लहरा रहे हैं। शेष सभी कुछ विस्मृत है। चैत्र समय में पलाश के सुमन से सुशोभित धरा आनंद-विहार बनी हुई है। गेहूं के पके हुए स्वर्णरंगी पौधे भी पलाश की सुंदरता बढ़ाने में सहायक भूमिका का निर्वाह कर रहे हैं। मार्ग से सुदूर तक दिखाई देते निर्जन खेत, वन, वृक्ष, वनस्पतियां, घास-फूस के छोटे-छोटे घर इत्यादि दोपहर के सूर्यप्रकाश में करुण-रंगरूप धारण किए हुए हैं। इस नैसर्गिक मधुरिमा पर मन-प्राण एवं आत्मा सब कुछ न्यौछावर करने की अभिलाषा प्रस्फुटित होती है। ऐसा वातावरण देखकर मनोभ्रम समाप्त हैं। आधुनिकता के विचित्र-विचित्र विषों से भरा हुआ अस्तित्व विषविहीन उन्मुक्त हो उठा है। संभवतः यही स्थिति व्यक्तित्व के आनंद हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थिति है। यही, मनुष्य जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। ऐसी ही प्राप्ति के लिए मनुष्य का जन्म हुआ है। यही शिरोधार्य हो। यही किंचित संकोच के बिना हर्षातिरेक के साथ स्वीकार्य हो। इसी में प्राणों का संजीवन हो। इसी में निष्प्राण होकर ठहर जाना चाहिए। ये मुक्ति है। ये मोक्ष है। ईश्वर का चमत्कार है। ईश्वरीय कृपा, प्रसाद, आशीर्वाद, करुणा है। इसी में विलीन होने की अभीप्सा हो। आह! रे जीवन रचयिता! क्या चैत्रोत्पत्ति की है तू ने! कितना सहज वास्तविक मुक्ति-अनुभव करवा रहा है तू इस अप्रतिम चैत्र तथा इसके पलाश कुसुमों के माध्यम से! जिस समयावधि में विश्व के अधिसंख्य लोग मोबाइल फोन के दृश्यपटल पर करोड़ों-अरबों की संख्या में प्रसारित-प्रदर्शित होने वाले चलचित्रों को देख-देख कर भ्रमित हो चुके हों, वहां प्रकृति का साथ भ्रमरोग से मुक्ति का आनंदित उपाय प्रतीत होता है। एक संवेदनशील सज्जन व्यक्ति आधुनिकता के जंजाल में फंसकर यही विचार कर रहा है कि अंततोगत्वा मनुष्यजाति की दुर्दशा की पराकाष्ठा क्या होगी, जब अभी इस समय ही चहुंओर मनुष्य का जीवन भयंकर दुर्दशाओं की कारा में बंद हो चुका है। ग्राम, ग्राम्य जीवन, परिवार, रिश्ते-नाते, संबंध, परंपरा, त्योहार, उत्सव, संस्कृति सभी कुछ तो निर्मम आधुनिकता ने नष्ट कर दिया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट, मोटर वाहनों इत्यादि आधुनिक वस्तुओं के माध्यम से ओछे प्रदर्शन का पर्याय बन चुका वर्तमान मनुष्य जीवन वास्तव में मनुष्यता, जीवनत्व से हीन हो चुका है। मोबाइल फोन की विषैली अदृश्य आवृत्तियां मनुष्य का मन, हृदय, मस्तिष्क, आत्मा, भाव, विचार, सब कुछ शुष्क कर चुकी हैं। मनुष्य केवल देखने के लिए मनुष्य रह गया है। वास्तविक रूप में वह भ्रममशीन बन चुका है। अर्थव्यवस्था को सोचने, खाने, पीने, जीने वाली दुनिया भला धन-संसाधन के अतिरिक्त क्या सोचने-विचारने योग्य छोड़ेगी मनुष्य को! विश्व के अधिसंख्य लोग धन-संसाधन प्राप्त व एकत्र करने की लिप्साओं से ग्रस्त हैं। इस लोभचक्र में लोग यह भी सोचने योग्य नहीं रहे कि उनका जीवन क्षणभंगुर है। मनुष्य की काया शक्तिहीन है। उसका जीवन लघु है। उसका जीना अनिश्चित है। उसके जीवन की हरेक गतिविधि एक प्रकार की स्वप्नक्रीड़ा है। मनुष्य जीवन का अंतिम सत्य मृत्यु है। आधुनिकता, प्रगति और विज्ञान के वशीभूत हो चुके अधिसंख्य मनुष्य मृत्यु के अंतिम सत्य को अपने लोभ, लालच, मोह, माया के जंजाल में उलझाकर असत्य समझते रहते हैं।

कुछ अलग

जल और वायु के बिना...

जल एवं वायु के बिना संसार में किसी भी प्राणधारी के अस्तित्व की परिकल्पना नहीं की जा सकती। यह कहना तर्कसंगत है कि जल ही जीवन है तथा वायु के बिना धरती पर जीवन असंभव है। जल एवं वायु धरती के प्राणधारियों के लिए प्रकृति की ओर से मिला अद्भुत उपहार है, लेकिन मानव द्वारा निजी स्वार्थों के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ की जा रही है। इससे मानव सहित अन्य सभी प्राणियों पर प्रदूषण का खतरा मंडराने लगा है तथा यह भविष्य में तबाही के संकेत है। पर्यावरण गड़बड़ाने से मौसम का घटनाचक्र बदलने लगा है। धरती का तापमान तेजी से बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप हिमालय पर स्थित हजारों वर्ष पुराने ग्लेशियर पिघलने लगे हैं। इसलिए गर्मियों में अत्यधिक गर्मी हो जाती है तथा सर्दियों में कड़ाके की ठंड होने लगी है। कभी भयंकर सूखा पड़ जाता है। कभी इतनी अधिक बारिश हो जाती है कि जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो जाता है। बादल फटने की घटनाएं आम हो गई हैं। पहाड़ दरकने लगे हैं तथा भूस्खलन से हर वर्ष काफी नुकसान होता है। पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए सरकार का ही नहीं बल्कि पूरे समाज का नैतिक दायित्व है। जलवायु में बढ़ते प्रदूषण से पर्यावरण प्रेमी अत्यंत चिंतित हैं। भू-विज्ञान के अनुसार पृथ्वी के लगभग दो तिहाई भाग में पानी है। लेकिन यह सारा पानी पीने योग्य नहीं है जबकि शेष बचे भूभाग में जनजीवन है। यहीं उपलब्ध पानी से समस्त प्राणियों की आवश्यकताएं पूरी होती हैं, मगर निरंतर प्रदूषित हो रहे पर्यावरण का सबसे अधिक प्रभाव जल और वायु पर ही पड़ता है। प्रकृति से ही हो रही छेड़छाड़ से पारंपरिक जल स्रोतों का अस्तित्व खतरे में है तथा वायुमंडल पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। परिणामस्वरूप लगभग आधी से अधिक जनसंख्या के लिए नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा है। इसलिए यह कहा जा रहा है कि धरती पर यदि तृतीय विश्व युद्ध होगा तो उसका कारण स्वच्छ पेयजल ही होगा। इसलिए देश एवं दुनिया में बिगड़ रहा पर्यावरण भविष्य के लिए कड़ी चुनौती होगी। मनुष्य शुरू से ही पर्यावरण संतुलन के प्रति संवेदनशील रहा है। सैकड़ों वर्ष पहले बुजुर्गों ने भविष्य के इस खतरे को भांप लिया था। इसलिए उन्होंने वीरान पड़ी भूमि पर विभिन्न श्रेणियों के पेड़ लगाए। इनसे प्राणधारियों के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल रही है। इसके साथ ही इन वृक्षों की शीतल छाया से तापमान स्थिर रहता है तथा जमीन में भी नमी बनी रहती है। एक समय था जब प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण करना लोग पुण्य का कार्य समझते थे। युवा वर्ग सप्ताह-दो सप्ताह के बाद जलस्रोतों की सफाई करते थे। कर्मकांड के ज्ञाता यदि किसी व्यक्ति को ग्रह शांति का उपाय बताते थे, उनमें जलस्रोतों व रास्ते की सफाई प्रमुख होती थी। विशालकाय पीपल या वटवृक्ष के नीचे लोग प्याऊ लगाते थे। प्रतिदिन वहां रखे मिट्टी के बड़े-बड़े घड़ों में पानी भरा जाता था। बदलते समय में लोग अपने कत्र्तव्यों को भूल गए हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण नहीं हो पा रहा है। पहले कच्चे घर आंगन होने से बरसाती पानी का जमीन में रिसाव हो जाता था। इससे भी इनमें नमी बनी रहती थी। अब घर आंगन भी पक्के हैं, इससे बरसात का पानी एकदम बह जाता है। विकास की अंधी दौड़ में भी पर्यावरण प्रभावित हुआ है। लंबी चौड़ी सडक़ों को पक्का करने, बड़े बड़े भवनों के निर्माण तथा कंक्रीट के बड़े-बड़े मैदानों के बनने से तापमान प्रभावित हुआ है। जमीन पर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं।

देश दुनीया से

रुग्ण मानसिकता के खिलाफ विचार-यात्राएं जरूरी

समता बंधुता और न्याय के आधार पर बने हमारे संविधान में अस्पृश्यता को एक अपराध घोषित किया गया है। स्वतंत्र भारत में इस अपराध में कमी भी आयी है, यह एक सच्चाई है, पर सच यह भी है कि हमारे समाज में आज भी अस्पृश्यता में विश्वास करने वाली सोच जिंदा है। और इस तथ्य को भी समझा जाना चाहिए कि सुधार के सारे दावों के बावजूद आज भी यह बीमार मानसिकता मनुष्यता के हमारे दावों-वादों को झुठला ही रही है। रामनवमी का उत्सव मनाने के आठ दिन बाद ही हमने हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये हैं। हमने यह भी देखा है कि देश के सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं में इस अवसर पर बाबा साहेब के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने की जैसे होड़-सी लगी हुई थी। लेकिन हकीकत यह भी है कि अलवर जिले में घटी निंदनीय घटना आठ दिन बाद जैसे आसानी से भुला दी गयी। नहीं, ऐसी घटनाएं भुलाई नहीं जानी चाहिए। इन्हें याद रखना, इन पर चिंतन करना, इसलिए ज़रूरी है कि यह घटनाएं हमें आदमी और आदमी के बीच भेदभाव को समझने का अवसर देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस अपराध को मानवता पर कलंक कहते समय भी कहा था कि अस्पृश्यता रंग-भेद जैसा ही अपराध है– जैसे रंग-भेद मनुष्यता का अपमान है, वैसे ही अस्पृश्यता की अवधारणा भी अपने आप में कोई छोटा अपमान नहीं है। किसी व्यक्ति को किसी भी आधार पर इतना हीन समझना कि उसे छूना अपराध बन जाए, उसकी छाया अपवित्र मानी जाये, उसे बस्ती के किसी हिस्से में ही रहने को विवश किया जाये, चाय की गुमटियों पर उसके लिए पृथक बर्तन रखे जाएं, सांविधानिक अपराध ही नहीं है, यह उस बीमार सोच का भी परिचायक है जो स्वयं को ही पवित्र समझने वालों को मनुष्य कहलाने के अधिकार से वंचित करता है। पिछले एक अर्से से आंकड़े नहीं मिल रहे, पर यह तथ्य अपने आप में बहुत कुछ कहता है कि देश में सत्तारूढ़ दल का कोई वरिष्ठ सदस्य एक विधानसभा में विपक्ष के नेता को मंदिर में जाने के लायक नहीं समझता। यह बात यहां रेखांकित की जानी चाहिए कि यह सदन में विपक्ष का नेता इसलिए मंदिर में जाने योग्य नहीं माना गया कि वह दलित है। पापी वह दलित नहीं है जो मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए गया, पापी ऐसा व्यक्ति है जो दलित के प्रवेश से मंदिर को अपवित्र मानता है। अछूतों के मंदिर प्रवेश को लेकर आज़ादी की लड़ाई के दौरान ही देश में महात्मा गांधी, बाबासाहेब अंबेडकर जैसे नेताओं ने कथित अछूतों के मंदिर-प्रवेश के अधिकार के लिए लड़ाई शुरू कर दी थी। स्वतंत्र भारत में भी यह लड़ाई जारी रही। हमारे संविधान की धारा 17 के अनुसार अस्पृश्यता दंडनीय अपराध है। पर संविधान में प्रावधान मात्र से बात नहीं बनती। सन 2005 में जारी एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार देश में हर 20 मिनट पर दलितों के खिलाफ एक अपराध होता था। निश्चित रूप से यह आंकड़ा अब बहुत कम हो गया होगा, पर यह नहीं भुलाया जाना चाहिए कि इस अपराध से कहीं अधिक गंभीर वह मानसिकता है जो एक मनुष्य को अछूत समझती है। इसी मानसिकता के चलते कुछ साल पहले उत्तर प्रदेश के एक तहसीलदार ने एक दलित महिला सरपंच के दफ्तर में जाने के बाद उस कुर्सी का 'शुद्धीकरण' किया था, जिस पर वह बैठी थी! चुनाव जीत कर सरपंच बनी थी वह महिला, अपने ग्राम की किसी समस्या के समाधान के लिए ही तहसीलदार के कार्यालय गयी होगी। उसे अपवित्र घोषित करके वह तहसीलदार महोदय आखिर कहना क्या चाहते थे? पता नहीं, उन तहसीलदार महोदय के इस कृत्य के लिए उन्हें कोई सज़ा मिली थी या नहीं, पर उनका यह कृत्य किसी गंभीर अपराध से कम नहीं था। वस्तुतः उनका यह अपराध मनुष्यता के विरुद्ध था। अब यही अपराध उन नेताजी ने किया है जिन्होंने दलित नेता के मंदिर से जाने के बाद इसका 'शुद्धीकरण' किया। शुद्धीकरण की आवश्यकता यदि किसी को है तो उस बीमार मानसिकता को है जो मनुष्य और मनुष्य में भेद करती है। जिन भगवान राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा उस मंदिर में की गयी थी, उन्होंने अपने कृतित्व से बार-बार यह समझाया था कि मनुष्य जाति से नहीं, अपनी करनी से छोटा या बड़ा होता है। निषाद राज को गले लगाकर, उन्हें अपना भाई कह कर राम यही तो समझाना चाहते थे; शबरी के झूठे बेर खाकर भी उन्होंने यही बताया था। स्वयं को राम का सेवक बताने वाले यह क्यों भूल जाते हैं कि राम ने अपने आचरण से यही सिद्ध करना चाहा था कि समाज के परिष्कार का बोझ मनुष्य के कंधों पर ही है। मंदिर के कथित शुद्धीकरण करने वाली मानसिकता राम के किये को नकार रही है। जिन नेताजी ने शुद्धीकरण किया वे तीन बार विधायक रह चुके हैं, जिन नेताजी ने मंदिर 'अपवित्र' किया था, वे भी तीसरी बार विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। दोनों को जनता ने योग्य समझा और चुना था। फिर एक, दूसरे से बड़ा कैसे हो गया। पवित्र-अपवित्र की इस बीमार सोच के खिलाफ अभियान चलाये जाने की आवश्यकता है। यह मानसिकता सिर्फ बीमार ही नहीं, आपराधिक भी है। इस अपराध के खिलाफ आंदोलन चलना चाहिए। समाज को शोभायात्राओं की नहीं, उन विचार-यात्राओं की आवश्यकता है जो रुग्ण मानसिकता के खिलाफ मानसिकता बनाने का काम करें– और यह आवश्यकता हर स्तर पर ईमानदारी से समझी जानी चाहिए।

आप का नजरीया

पांगी अब पंगु नहीं

हिमाचल के नैन नक्श को संवारता त्योहार यानी 'हिमाचल दिवस' पुनः उम्मीदों की खेती पर जनजातीय क्षेत्र की आर्थिक कोंपलें बटोरता है। किलाड़ पहले ऐसा नहीं था और न ही जश्न का यह माहौल, प्रदेश सरकार का शिविर बना। कल्पना का सागर पहाड़ पर नीतियों का प्रवाह और प्रसार देखता हुआ पांगी क्षेत्र से विकास के साथ नए अनुबंध कर रहा है, तो हिमाचल दिवस के संबोधन स्पष्ट हो रहे हैं। कम से कम सुक्खू सरकार ने पर्वतीय या ट्राइबल दुरुहता के बीच हिमाचल के इतिहास को लांघने की कोशिश तो की है। केलांग, स्पीति और अब पांगी के परिवेश में एक राज्य का विकासात्मक संगीत नए वादे कर रहा है। जाहिर है कुछ नई रिवायतों की गारंटी पुनः पांगी के प्रांगण में उतर कर महिला संस्कार, महिला सरोकार को पंद्रह सौ रुपए के उपहार से स्तरोन्नत कर रही है, तो किसान के खेत से निकले पहाड़ी जौ को साठ रुपए प्रति किलो समर्थन मूल्य दे रही है। मुख्यमंत्री ने भौगोलिक दृष्टि से पांगी के समर्थन में हिमाचल के नए पन्ने सौंपे हैं, जहां पूरा उपमंडल प्राकृतिक खेती के नए अवतार में पुष्पित एवं पल्लवित होगा। ट्राइबल बजट पहले भी तरह-तरह से श्रृंगार करता रहा है, लेकिन जनजातीय क्षेत्र की योजना में बढ़ती लागत से उपचार नहीं हुआ। खास तौर पर जल सिंचाई की योजनाओं को बर्फ की भ्रष्टाचारी कालिख खाती रही। ट्राइबल एरिया हर बजट की हकदारी में अपने विकास की गणना तो करता रहा, लेकिन ढांचागत उपलब्धियों को चिन्हित करने की तफतीश नहीं हुई। विकास के पापड़ बेले जरूर गए, लेकिन सामाजिक उत्थान के संसाधन फिजूलखर्ची में उड़ा दिए गए। अब हिमाचल दिवस सीधे ट्राइबल परिवेश से मुखातिब होने लगा है और एक परंपरा के तहत टापू बने बर्फीले क्षेत्रों को लांघ कर वर्तमान सरकार भविष्य का आश्वासन दे रही है। प्राकृतिक खेती की विशिष्टता में अगर कल पांगी के कृषि उत्पाद बाजार की क्षमता में सफल होते हैं, तो यह एक ब्रांड की तरह आर्थिकी को उपजाऊ बना पाएंगे। मुख्यमंत्री ने सरकार का एक महिला सदन पांगी को न केवल पंद्रह सौ रुपए के भुगतान के जरिए साबित नहीं किया, बल्कि महिला मंडलों को आश्रय देते हुए, सशक्तिकरण का पौधारोपण भी किया है। सरकार परिवहन और कनेक्टिविटी की दृष्टि से पांगी को चंबा के नजदीक लाने के लिए भले ही आंखों में सपने ले रही है, लेकिन हिमाचल के मानचित्र पर यह क्षेत्र लाहुल-स्पीति और कुल्लू के दरियाओं का पानी पी रहा है। असली पांगी का जिला चंबा से रिश्ता आज भी साच दर्रे के नीचे बर्फ में दबा है। जिस दिन यहां से सुरंग सूरज की खोज में पांगी पहुंचेगी, उस दिन वास्तव में सूर्योदय होगा। यह इसलिए भी कि राजनीतिक तौर पर पांगी को भरमौर की सियासत का पंगु होना पड़ता है। मुद्दे दो पहाड़ों के बीच दीवार की तरह एकसमान दीदार को तरसते हैं, तो आर्थिक विस्थापन ने पांगी की क्षमता का रुख कुल्लू की तरफ मोड़ दिया। चंबा की एक भुजा अगर भरमौर है, तो दूसरी पांगी को जिला मुख्यालय से जोडऩे के लिए सुरंग के जरिए वर्ष भर की कनेक्टिविटी चाहिए। बहरहाल सरकार स्वावलंबन के पहियों पर युवाओं को सवार करना चाहती है। इस दृष्टि से बीस बस परमिट युवाओं को जारी होंगे और बस खरीद पर चालीस फीसदी सबसिडी और चार महीने रोड टैक्स से छूट भी मिलेगी।

दंगाइयों पर बरस रही है ममता बनर्जी की ममता : राकेश त्रिपाठी

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान की कड़ी आलोचना की है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने बुधवार को कहा कि दंगाइयों पर ममता बनर्जी की ममता बरस रही है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दंगाइयों को लेकर टिप्पणी की थी। यह ममता बनर्जी को बहुत नागवार गुजर गयी। क्योंकि इन दंगाइयों के साथ ममता का रिश्ता है। दंगाइयों पर उनकी ममता बरसती है। इसीलिए दंगाइयों को कुछ कहा जाना नागवार गुजरा। योगी आदित्यनाथ को लेकर वह आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बजाए इन दंगाइयों पर नियंत्रण के लिए योगी माडल अपनातीं तो शायद आज वहां हिंदुओं की रक्षा हो पाती। पश्चिम बंगाल आज अशांत नहीं होता। पश्चिम बंगाल में हो रही घटनाओं पर लगाम लग जाती।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी की चार्जशीट को लेकर कांग्रेस ने किया विरोध-प्रदर्शन

वाराणसी (हिंस)। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर दाखिल चार्जशीट के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर लोकतंत्र को कुचलने का आरोप लगाते हुए इसे बदले की राजनीति करार दिया। प्रदर्शन के उपरांत कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा। जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल और महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा कि नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों को जब्त करना कानून के शासन की आड़ में एक सोची-समझी साजिश है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य नेताओं के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की ओर से बदले की राजनीति का हिस्सा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि अब कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेगा। यह कार्रवाई केवल व्यक्तिगत बदले की भावना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा हमला है। ईडी जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाना भाजपा सरकार की दुर्भावनापूर्ण नीति को दर्शाता है। यह हमारे मनोबल को तोड़ने की नाकाम कोशिश होगी। भाजपाई षड्यंत्र के खिलाफ हम कांग्रेसजन पूरी तरह एकजुट हैं और अन्याय के विरुद्ध हमारी लड़ाई जारी रखेंगे। प्रदर्शन में संजीव सिंह, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, ऋषभ पांडेय, डॉ. राजेश गुप्ता, सतनाम सिंह, वकील अंसारी, अरुण सोनी, राजीव राम, अशोक सिंह, वीरेन्द्र कपूर, विनोद सिंह, अनुराधा यादव आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

हिंदू एकजुट नहीं रहने का परिणाम है पश्चिम बंगाल में पलायन करना पर रहा है : नन्हें

सहरसा (हिंस)। पश्चिम बंगाल के हिंसक प्रदर्शन पर आरएसएस धर्म जागरण विभाग के जिला संयोजक सागर कुमार नन्हें ने कहां कट्टरपंथी ताकतों द्वारा विरोध-प्रदर्शन की आड़ में हिंदुओं पर अत्याचार किया जा रहा है। खुलेआम हिंदुओं का हत्या किया जा रहा है। हिंदू बहन, बेटियों, बहुओं का इज्जत आबरू लुटा जा रहा है। उन्होंने कहा हिंदू अब भी डर के साये में जी रहा हैं। यह देश का दुर्भाग्य है कि भारत के एक हिस्से पश्चिम बंगाल से हिंदुओं का पलायन हो रहा है। इस डरपोक स्थिति के कारण आज हिंदू अपने-अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर हैं। आज बंगाल में हो रहा है, कल बिहार और परसों महाराष्ट्र फिर मध्य प्रदेश इसी तरह पूरे भारत वर्ष में होगा। उन्होंने आगे कहा पश्चिम बंगाल में मुस्लिम समुदाय के लोग हिंदुओं को डराने के लिए इस तरह का कार्य, वहां की सरकार के संरक्षण में कर रहा हैं, जो बहुत ही निंदनीय है। यह सब पहले से ही योजनाबद्ध तरीके से किया जा रहा है। यह देश और खासकर हिंदुओं के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि हिंदू एकजुट नहीं हैं। जिस दिन हिंदू जात-पात उंच-नीच से ऊपर उठकर एक हो जाएगा ये सब घटनाएं स्वत: बंद हो जाएगा किसी का हिम्मत नहीं होगा की किसी भी हिंदू के तरफ गलत नजर से देख भी लें। हिंदुओं को किसी भी सरकार या प्रशासन के भरोसे नहीं बल्कि खुद से आत्मरक्षा करना चाहिए, अपनी बहन, बेटी, बहुओं का खुद से सुरक्षा करना चाहिए। हिंदुओं को अगर भारत में सुरक्षित रहना है तो एक जुट रहना ही होगा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। मैं हिंदू समाज से अपील करता हूं की सतर्क रहिए, सुरक्षित रहिए, एक रहिए, नेक रहिए। बटीयेगा तो आज पश्चिम बंगाल में कट रहें है कल पूरे भारत वर्ष में काटेंगे। बात बात पर संविधान की दुहाई देने वाले आज सभी के मुँह में दही जमा हुआ है यही अगर कोई गैर हिंदू चोर, बलात्कारी, आतंकवादी के साथ कुछ हो जाए तो तुरंत हाथ में संविधान लेकर संविधान की दुहाई का राग अलापने लगेंगे। पूरे देश में उथल पुथल शुरू हो जाएगा लेकिन अभी सब मौन धारण किए हुए है। ऐसे लोगों को भी हिंदू समाज समय आने पर जवाब देगा।

कांग्रेस को धरना देने का हक, भ्रष्टाचार करने का नहीं : मोहन लाल बडौली

सोनीपत (हिंस)। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा चार्जशीट दाखिल किए जाने के बाद कांग्रेस के विरोध-प्रदर्शन पर भाजपा हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कांग्रेस पर सच्चाई से भागने और भ्रष्टाचार को छिपाने का आरोप लगाया है। भाजपा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने नेशनल हेराल्ड केस में ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट के बाद कांग्रेस द्वारा किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को सच्चाई से भागने के बजाए उसका सामना करना चाहिए। बडौली ने बुधवार को अपने कैंप कार्यालय पर पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी को भी भ्रष्टाचार करने की छूट नहीं दी जा सकती। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस इस मामले को राजनीतिक रंग देकर जनता को गुमराह कर रही है और सच्चाई से मुंह मोड़ने की कोशिश कर रही है। प्रदेशाध्यक्ष ने बताया कि नेशनल हेराल्ड अखबार 1937 में शुरू किया गया था, जिसमें लगभग 5000 शेयरधारक शामिल थे, जिनमें कई स्वतंत्रता सेनानी भी थे।

पुलिस का मूल मंत्र अपराध पर नियंत्रण-समाज में सुरक्षा और विश्वास : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस के जवानों का साहस, सेवा भावना और बलिदान अतुलनीय है। पुलिस की वर्दी सिर्फ एक कपड़ा नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी, एक वचन और जीवन का एक अर्थ है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी सही मायनों में समाज के असली नायक हैं। वे हर दिन, हर मौसम, हर चुनौती के बावजूद निरंतर सेवा में जुटे रहते हैं। हर संकट में सबसे पहले खड़े होकर जान-माल की सुरक्षा करते हैं। शर्मा बुधवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर परेड निरीक्षण के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रदेश के बहादुर पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। पुलिसकर्मी अपने जीवन को समाज की सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था के लिए समर्पित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक तक के वर्दी भत्ते को 7 हजार रुपए से बढ़ाकर 8 हजार रुपए करने तथा पुलिस निरीक्षक तक के अधिकारियों का मैस भत्ता 2400 रुपए से बढ़ाकर 2700 रुपए करने की घोषणा की। शर्मा ने कांस्टेबल से पुलिस निरीक्षक तक के पुलिसकर्मियों को एक्सप्रेस श्रेणी की बसों के अतिरिक्त सेमी डीलक्स बसों में भी नि:शुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को समय पर पदोन्नति देने के लिए हमारी सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी। हमारी सरकार पुलिसकर्मियों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मी समाज की ढाल बनकर हमारी हिफाजत करते हैं। ये कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही समाज के हर वर्ग की सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि अपराध रोकथाम, आपदा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने सहित पुलिस हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटी रहती है। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग का उद्देश्य केवल अपराधियों को पक ?ना ही नहीं बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना भी है। शर्मा ने कहा कि पुलिस और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। पुलिस और नागरिकों के बीच नियमित संवाद से आमजन में विश्वास के साथ अपराध पर प्रभावी नियंत्रण होता है। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत गांवों-मोहल्लों में बैठकें आयोजित की जानी चाहिए जिससे लोगों को पुलिस के कार्यों को समझने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि पुलिस को स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक केंद्रों में जाकर कानून और सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए। इससे युवाओं में पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा। पुलिस को शिकायतों के त्वरित निस्तारण और तकनीक के उपयोग से आपसी विश्वास को मजबूत करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुलिसकर्मियों के हित में कदम उठा रही है। उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है ताकि कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों के लिए उन्हें अधिक सक्षम बनाया जा सके। इसी दिशा में पुलिस आधुनिकीकरण एवं संबंधित आधारभूत संरचना के लिए 200 करोड़ रुपए का पुलिस मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड गठित किया जाएगा। साथ ही प्रदेश में कानून-व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 10 हजार पदों पर भर्ती को स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं 5500 नवीन पदों का सृजन किया गया है तथा इस वर्ष 3500 नवीन पद सृजन प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि पद्मिनी कालीबाई व अमृतादेवी महिला पुलिस बटालियनों की स्थापना के लिए दों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति तथा 500 कालिका पेट्रोलिंग टीम के गठन हेतु प्रथम चरण में एक हजार कांस्टेबल के नवीन पदों के सृजन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। साथ ही, पुलिस विभाग एवं कारागार विभाग में कार्यरत लांगरियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि एवं 250 लांगरी पदों का सृजन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के पुलिस विभाग को सशक्त और आधुनिक बनाने के लिए इसी तरह नवाचार करती रहेगी। शर्मा ने कहा कि पुलिस मोबेलिटी के लिए लगभग 750 मोटरसाइकिल एवं 500 हल्के वाहन उपलब्ध करवाए गए हैं तथा आधुनिक उपकरणों के लिए 27 करोड़ रुपए प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र का क्रमोन्नयन एवं विस्तार कर राजस्थान पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण अकादमी के रूप में स्थापित किए जाने के लिए नवीन पदों के सृजन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी दी जा चुकी है। इसी तरह 350 करोड़ रुपए की लागत से पुलिस मुख्यालय के अंतर्गत सरदार पटेल सेंटर फॉर साइबर कंट्रोल एंड वार रूम की स्थापना की जाएगी। इसी तरह पुलिस को और अधिक प्रभावी एवं कार्यदक्ष बनाने के लिए करीब 60 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इसके बाद उन्होंने परेड ग्राउंड में परेड निरीक्षण किया। समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों को पुलिस पदक तथा मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए गए। पुलिस महानिदेशक यूआर साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों से प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण के साथ ही आमजन को राहत मिल रही है। उन्होंने बेहतर कानून व्यवस्था को लेकर बजट में की गई घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, सीएलजी सदस्य उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार का सपना, सबका घर हो अपना : अभिषेक मीणा

रेवाड़ी (हिंस)। जरूरतमंद पात्र नागरिकों को आवास दिलाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है जिसकी अंतिम तिथि 30 अप्रैल है। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 से शहरी क्षेत्र के लिए योजना शुरू की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बेघर लोगों को पक्का घर देना है ताकि वह बेघर न रहे। जिन लोगों के घर कच्चे हैं, वह भी इस योजना का लाभ ले सकते हैं इसके लिए प्रोत्साहन राशि दी जाती है, ताकि सभी लोगों को अपना घर बनाने का सपना साकार हो सके। इस योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि इसके लिए पारिवारिक वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपए, घुमंतु जाति के परिवारों को प्राथमिकता तथा एक मरला 30 वर्ग गज प्लॉट मात्र एक लाख रुपए हो इस योजना का लाभ ले सकते है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत मकान बनाने के लिए दो लाख 50 हजार रुपए की सब्सिडी का भी प्रावधान है।

भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ता का हंगामा

हम भाजपा कार्यकर्ता हैं कोई आतंकवादी नहीं

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में बुधवार को वक्फ सुधार जन आंदोलन अभियान की बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर, प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में उस समय हलचल मच गई जब सांगानेर विधानसभा क्षेत्र का कार्यकर्ता ने मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए जमकर हंगामा किया। हंगामा करने वाले कार्यकर्ता की पहचान जगदीश छीपा के रूप में हुई है। जो खुद को भाजपा का पूर्व प्रदेश पदाधिकारी बता रहे थे। जैसे ही मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा बैठक हॉल की ओर बढ़े। उसी दौरान छीपा की उनसे मुलाकात नहीं हो सकी। सुरक्षा कारणों के चलते हुई इस अनदेखी से क्षुब्ध होकर छीपा ने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। जगदीश छीपा का आरोप था कि कि हम कार्यकर्ता हैं, कोई आतंकवादी नहीं। प्रोटोकॉल के नाम पर हमें हमारे ही मुख्यमंत्री से मिलने से रोका जा रहा है। मैं सांगानेर विधानसभा क्षेत्र का निवासी हूं और पहले भी पार्टी में पदाधिकारी रह चुका हूं। बावजूद इसके मेरी उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जब वे जनसुनवाई में जाते हैं, तब भी मुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हो पाती। मुख्यमंत्री इतने व्यस्त हैं कि आम कार्यकर्ता उनसे मिल ही नहीं सकता। घटनास्थल पर मौजूद भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों ने स्थिति को शांत करने की कोशिश की और छीपा को आश्वासन दिया कि जल्द ही उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात करवाई जाएगी।

सत्य, अहिंसा और शांति की भूमि है जसौली पट्टी : डॉ. दाधीच

महान स्वतंत्रता सेनानी लोमराज बाबू को दी गई श्रद्धांजलि, गोष्ठी का आयोजन

पूर्वी चंपारण (हिंस)। चंपारण सत्याग्रह स्मृति दिवस के मौके पर कोटवा प्रखंड के जसौली पट्टी में महात्मा गांधी एवं लोमराज सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी के गांधी शांति अध्ययन विभाग के एचओडी डॉ. युगल किशोर दाधीच ने कहा कि महात्मा गांधी की कर्म भूमि और लोमराज बाबू की जन्मभूमि जसौली पट्टी सत्य, अहिंसा और शांति की भूमि है। मै इस भूमि को नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि बदलते परिदृश्य में गांधी दर्शन एवं चिंतन को साकार करने के लिए हमें हृदय परिवर्तन, मस्तिष्क परिवर्तन, व्यवस्था परिवर्तन एवं जीवन शैली परिवर्तन करने पर बल देना होगा। कार्यक्रम में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी के साथ ही गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए और गांधी दर्शन पर चिंतन किया गया। वर्तमान समय में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है, कि आज गांधी के विचारों को आत्मसात किया जाए ताकि भारत की युवा पीढ़ी की समझ उनकी दृष्टि और व्यापक एवं समृद्ध बन सके। गांधी के विचार ही आने वाले समय में विकसित भारत की नींव को और अधिक सुदृढ करने में सहायक सिद्ध होंगे। सहायक आचार्य गांधी शांति अध्ययन विभाग के डॉ. अभय कुमार विक्रम ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सरीना आजाद एवं अंचलाधिकारी मोनिका आनंद ने गांधी जी एवं लोमराज सिंह को श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए युवाओं से गांधी दर्शन पढ़ने और उसे जीवन में उतारने को कहा। गोष्ठी की अध्यक्षता अवकाश प्राप्त शिक्षक उपेन्द्र कुमार सिंह, संचालन सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार, धन्यवाद ज्ञापन अवकाश प्राप्त शिक्षक रामश्रेष्ठ बैठा ने की।

कांग्रेस विधायक से फोन पर अभद्रता और धमकी

दौसा (हिंस)। मंदिरों पर बयानबाजी कर सुर्खियों में आए दौसा से कांग्रेस विधायक दीनदयाल बैरवा से फोन पर अभद्रता और धमकी देने का मामला सामने आया है। इसका एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद विधायक ने घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी है और एसपी सागर राणा से मिलकर धमकी प्रकरण से अवगत कराते हुए कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार, अज्ञात युवक ने विधायक डीसी बैरवा के मोबाइल पर कॉल कर अभद्रता की और गाली- गलौज करते हुए धमकाया। हालांकि धमकी देने वाला शख्स कौन है और किस उद्देश्य से धमकी दी, इसकी जानकारी नहीं मिली है। फिलहाल समर्थकों ने मामले में आरोपित के खिलाफ कार्रवाई और विधायक को सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। मामले को लेकर विधायक दीनदयाल बैरवा कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर एसपी सागर राणा से मुलाकात कर घटनाक्रम की जानकारी दी। जिसके बाद विधायक ने कहा- सोशल मीडिया पर धमकियां दी जा रही हैं, इससे जान का खतरा तो है ही, एसपी को अवगत कराया गया है। कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं एनएसयूआइ कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के सामने नारेबाजी करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया। डिप्टी एसपी रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया के जरिए मामले की जानकारी मिली थी। रिपोर्ट मिलने पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरपुर में आग में झुलसकर चार बच्चों सहित पांच की मौत

पटना (हिंस)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर मनी गांव में बुधवार एक दलित बस्ती में आग लग गई। इस हादसे में 4 बच्चे समेत 5 लोगों की झुलस कर मौत हो गई। जिलाधिकारी डीएम सुब्रत कुमार सेन ने बताया कि जिले में सकरा प्रखंड क्षेत्र के बरियापुर थाना क्षेत्र के रामपुरमणि गांव में आग में झुलसने से 4 बच्चों सहित 5 की मौत हो गई है। अंचलाधिकारी को अभिलंब घटनास्थल पर भेजा गया है। अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी मौके पर कैंप कर रहे हैं। परिवारों को हरसंभव मदद दी जाएगी। डीएम ने बताया कि गांव के गोलक पासवान के घर में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक तेज हवा की वजह से आग काफी तेजी से फैल गई। आग की लपेटें ज्यादा तेज थी, जिसकी वजह से बच्चे निकल नहीं पाए। मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा और 2 दिनों तक लोगों के खाने-पीने की व्यवस्था कराई गई है।

गुरु तेग बहादुर साहिब का प्रकाश गुरुपर्व 18 को : प्रभातफेरी का समापन

जोधपुर (हिंस)। सिख समाज के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब का प्रकाश गुरुपर्व 18 अप्रैल को है। इस अवसर पर सेन्ट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के निर्देशन व गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादर साहिब के तत्वावधान में जोधपुर की समूह गुरुनानक नाम लेवा साध संगत द्वारा एक महीने तक प्रतिदिन सवेरे प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कॉर्डिनेटर व गुरुद्वारा गुर सिंघ सभा प्रधान सरदार दर्शन सिंघ लोटे व सचिव सरदार कुलदीप सिंह सलूजा ने बताया कि इस दौरान निशान साहिब की अगुआई में जोधपुर के मुख्य गुरुघरों व विभिन्न गुरु नानक नाम लेवा साध संगत के गृह निवास पर सैकड़ों की संख्या में साध संगत ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और गुरबाणी कीर्तन गायन व वाहेगुरू नाम सिमरन किया गया, आज अंतिम प्रभातफेरी के अवसर पर सचिव सरदार जगमोहन सिंघ द्वारा उपस्थित साध संगत व ज्ञानी करमजीत सिंघ, ज्ञानी सचिन सिंघ व ज्ञानी जयपाल सिंह व अन्य सेवादारों को विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। प्रधान सरदार जितेन्द्र सिंह बत्रा ने बताया कि 18 अप्रैल को मुख्य दीवान के साथ शाम बजे मेडिकल कैंप का आयोजन भी किया जाएगा जिसमें डायबटिक स्पेशलिस्ट डॉ. सरदार महेन्द्र सिंह, सर्जन डॉ. अनिल वर्ध, डॉ. कुलबीर सिंघ चोपड़ा, डॉ. राजेन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. श्वेता सिंघ श्रीवास्तव, डॉ. सिद्धार्थ श्रीवास्तव द्वारा मुफ्त जांच की जाएगी।

हड्डियों के रोग में चूना वरदान : सतीश राय

प्रयागराज (हिंस)। शरीर में पोषक तत्वों की कमी एवं इम्युनिटी पावर घटाने में सबसे बड़ी भूमिका आरओ के पानी का है। इस पानी में कैल्शियम, आयरन, मिनरल्स सब नष्ट हो जाते हैं। बीमारी में आरओ का पानी पीना तो ठीक है, क्योंकि यह हलका होता है। लेकिन स्वस्थ रहने पर इसे पीने से बचना चाहिए। यह बातें एसकेआर योग एवं रेकी शोध प्रशिक्षण और प्राकृतिक संस्थान रेकी केंद्र पर जाने-माने स्पर्श चिकित्सक सतीश राय ने कहीं। बुधवार को उन्होंने लोगों से कहा कि आरओ का पानी पीने से शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो रही हैं। ईश्वर ने सभी जीव जंतुओं को बीमारियों से लड़ने की अद्‌भुत शक्ति प्रदान की है। शरीर में पोषक तत्वों की कमी के चलते यह शक्तियां भी असमर्थ हो गई है। बस उन्हें पहचान कर अपनी अंदरुनी शक्तियों को मजबूत करने का उपाय करें। सतीश राय ने कहा आरओ का पानी पीने से शरीर में कैल्शियम की कमी हो रही है। वैसे रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ दूध, दही, मट्ठे, मक्खन, घी, फलों में और सब्जियों में भरपूर मात्रा में कैल्शियम है। इनके द्वारा हमें लगातार कैल्शियम मिलता रहता है। उस समय शरीर के सभी फंक्शन ठीक रहते हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थों और अत्यधिक दवाओं के सेवन करते रहने के कारण जैसे ही आयु 45-50 साल से ऊपर होती है, कैल्शियम हजम होना कम हो जाता है। जितना भी फल सब्जी खाएं लेकिन उन कैल्शियम को हजम करने वाला शरीर के ऑर्गन्स कमजोर पड़ जाते है। तब बाहर से कैल्शियम लेने की जरूरत पड़ती है उस समय फलों और सब्जियों से मिलने वाला कैल्शियम पर्याप्त नहीं होता कुछ अतिरिक्त चाहिए। स्पर्श चिकित्सक ने कहा शरीर में ज्यादातर बीमारियों का कारण कैल्शियम की कमी है। आयु 45 से ऊपर होने पर सभी लोगों को चूना जरूर खाना चाहिए तभी हमें बाहर से कैल्शियम मिलेगा। चूना, कैल्शियम का मुख्य स्रोत है। यह सबसे अच्छी वात नाशक औषधि भी है। उन्होंने कहा शरीर में कैल्शियम की कमी से शारीरिक कमजोरी, नपुंसकता, नाखून के रोग, बच्चों में लंबाई की समस्या, हड्डी के रोग, कमर दर्द, घुटने का दर्द, अर्थराइटिस, स्पॉन्डिलाइटिस, हड्डियों का कमजोर होना, हाथ पैरों में दर्द, बच्चों में विकास की समस्या आदि जैसे रोग होते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान कहता है कैल्शियम वह सूक्ष्म पोषक तत्व है जिसके शरीर में रहने पर ही दूसरे पोषक तत्व शरीर के लिए उपयोगी होते हैं। अर्थात शरीर में विटामिन बीसीडीके प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट शरीर में ठीक से कार्य करें तो कैल्शियम चाहिए। प्रोटीन शरीर में सही से कार्य करें तो कैल्शियम चाहिए। फैट शरीर को नुकसान न पहुंचाएं और ठीक से पचता रहे तो कैल्शियम चाहिए। यदि शरीर में कैल्शियम नहीं है तो सभी तरह की बीमारियां शरीर में आती है। चूना को गेहूं दाने के बराबर दही में, दाल में, गन्ने के रस में, अनार के जूस में या मट्ठे में मिलाकर तीन माह तक लगातार रोज एक बार लेने पर इसका असर शरीर पर दिखने लगेगा, यह हड्डियों के दर्द से छुटकारा दिलाएगी। चूना को पान के साथ भी खा सकते हैं, जिसमें कत्था न लगा हो। उन्होंने कहाकि जिन लोगों के पेट में पथरी की शिकायत हो या किडनी में स्टोन हो उन्हें चूने के सेवन से बचना चाहिए। उन्हें पालक और टमाटर खाने से भी बचना चाहिए।

इंडसइंड बैंक के पोर्टफोलियो में लेखा चूक से करीब 2 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली

इंडसइंड बैंक ने बताया कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा चूक होने से बैंक को करीब 2 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, जिसका खुलासा बाहरी एजेंसी की जांच के बाद पता चला है।

पिछले महीने बैंक में हुई इस हलचल की खबरें बाहर आने के बाद इंडसइंड के शेयरों में भी बड़ी गिरावट देखी गई थी अब बैंक ने अपने एफएंडओ सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर, 2024 तक अपनी कुल संपत्ति पर 2.27 फीसदी के प्रतिकूल प्रभाव का आकलन किया है।

निजी क्षेत्र के इस बैंक ने कहा था कि वायदा-विकल्प पोर्टफोलियो में लेखा संबंधी चूक से दिसंबर, 2024 तक बैंक की कुल संपत्ति पर करीब 2.35 फीसदी का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है। इसके बाद बैंक ने अपने बही-खातों पर हुए प्रभाव और कई स्तर पर खामियों का पता लगाने व सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देने के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है।

इंडसइंड बैंक ने अपने बही खातों में हुई चूक की जांच के लिए बाहरी एजेंसी पीडब्ल्यूसी को नियुक्त किया है, जिसने मामले का खुलासा किया है। इंडसइंड बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में 30 जून, 2024 तक बही खाते में हुई चूक के नकारात्मक प्रभाव को 1,979 करोड़ रुपए आंका है। बैंक ने बताया कि उसके 2024-25 की फाइनेंशियल डिटेल में इसके प्रभाव को उचित रूप से दर्शाया जाएगा और एफएंडओ को लेकर भविष्य में ज्यादा सतर्कता बरती जाएगी।

इंडसइंड बैंक के बोर्ड ने लेखा खामियों के फॉरेंसिक ऑडिट के लिए ग्लोबल एजेंसी ग्रांट थॉर्नटन को भी नियुक्त किया है। ग्रांट थॉर्नटन बैंक में आई विसंगतियों के मूल कारण की पहचान करने और प्रचलित लेखा मानकों के संबंध में वायदा-विकल्प अनुबंधों की व्यापक जांच करेगा। इसके अलावा फर्म लेखांकन में विसंगतियों के लिए जवाबदेही तय करेगी। इंडसइंड बैंक में इस चूक की खबर सामने आने के बाद मार्च में बैंक के शेयरों में लगातार गिरावट देखी गई है। इससे बैंक का स्टॉक 52 सप्ताह के निचले स्तर पर चला गया था। 12 मार्च को बैंक के शेयरों का भाव 606 रुपए तक चला गया था। बाद में इसमें तेजी से सुधार आया और 15 अप्रैल को बैंक के शेयर 735.50 रुपए के भाव पर बंद हुए थे।

न्यूज ब्रीफ

अगर पर्सनल लोन लेने वाले की मृत्यु हो जाए तो कौन भरेगा बकाया रकम

नई दिल्ली। आज-कल लोन लेना आसान हो गया है। लोग अपनी जरूरतों के मुताबिक पर्सनल लोन लेते हैं और बैंकों इस पर ब्याज भी वसूलता है और लोन लेने वाला शख्स ईएमआई के रूप में लोन का भुगतान करता भी है। आमतौर पर बैंक लोन देने से पहले बॉरोअर की फाइनेंशियल हिस्ट्री देखी जाती है उसके बाद ही लोन दिया जाता है, अगर बकाया लोन भरने से पहले ही लोन लेने वाले शख्स की मौत हो जाए, तो यह कई अहम सवाल खड़े करता है कि उस कर्ज की अदायगी कैसे होगी। भारत में पर्सनल लोन ज्यादातर अनसिक्योर्ड होते हैं यानी कोलैटरल की जरूरत नहीं होती है। अगर पर्सनल लोन लेने वाले की मौत हो जाती है, तो बकाया लोन की अदायगी की जिम्मेदारी ऑटोमैटिक उसके परिवार के सदस्य या कानूनी उत्तराधिकारियों पर नहीं आती है, जब तक कि वे गारंटर या को-एप्लीकेंट न हों। लेंडर मृतक की संपत्ति से कर्ज की वसूली कर सकते हैं, जिसमें संपत्ति, सोने के आभूषण, बचत या पिछले निवेश शामिल होते हैं। कानूनी उत्तराधिकारी अपनी ओर से पर्सनल लोन की अदायगी के लिए केवल उतनी ही रकम के लिए बाध्य होते हैं, जितनी उन्हें विरासत में मिली है ।

एसयूवी टाटा हैरियर का पेट्रोल वर्जन जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स कंपनी अपनी लोकप्रिय एसयूवी टाटा हैरियर के पेट्रोल वर्जन को जल्द ही लॉन्च करेगी। हाल ही में टाटा हैरियर पेट्रोल मॉडल को टेस्टिंग के दौरान देखा गया, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने की अटकलें तेज हो गई हैं। अभी तक बाजार में यह एसयूवी केवल डीजल इंजन में ही उपलब्ध है, लेकिन अब कंपनी इसे पेट्रोल वेरिएंट में भी पेश करने की तैयारी कर रही है। हालांकि, कंपनी की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, टाटा मोटर्स अपनी हैरियर और सफारी एसयूवी में नया 1.5 लीटर टर्बोचार्ज्ड डायरेक्ट इंजेक्शन पेट्रोल इंजन देने की योजना बना रही है। यह इंजन 170 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। इसके साथ ही यह इंजन बीएस6 फेज-2 उत्सर्जन मानकों के अनुरूप होगा और ई20 एथेनॉल-पेट्रोल मिक्स फ्यूल पर चलेगा। कंपनी इसे मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन दोनों विकल्पों के साथ बाजार में उतार सकती है। पेट्रोल इंजन की बदौलत यह एसयूवी न केवल अधिक किफायती विकल्प बन सकती है, बल्कि इसे उन ग्राहकों से भी अच्छा रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद है, जो डीजल वाहन से दूर रहना पसंद करते हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जहां कच्चे तेल की कीमतें 65 डॉलर प्रति बैरल से नीचे ही चल रही हैं। वहीं घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ी हैं। तेल कंपनियों ने यूपी और बिहार सहित देश के कई राज्यों के शहरों में तेल के दाम बढ़ाये हैं हालांकि देश के चारों महानगरों में इनकी कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर है। यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 6 पैसे महंगा होकर 94.77 रुपये लीटर पर है। वहीं डीजल भी 8 पैसे ऊपर बढ़कर 87.89 रुपये प्रति लीटर है जबकि गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे बढ़त के साथ 94.70 रुपये और डीजल 14 पैसे महंगा होकर 87.81 रुपये लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 64 पैसे बढ़त के साथ 106.11 रुपये लीटर जबकि डीजल 60 पैसे महंगा होकर 92.92 रुपये लीटर पर है। कच्चे तेल की बात करें तो ब्रेंट क्रूड का भाव नीचे आकर 64.75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई की कीमतें भी फिसलकर 61.41 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी हैं।

जीईएम के जरिए 2024-25 में 1.3 करोड़ से अधिक लोगों को मिला बीमा कवरेज

जीईएम ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10 लाख लोगों को रोजगार की सुविधा दी

नई दिल्ली

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने 1.3 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को स्वास्थ्य, जीवन और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा पॉलिसियों को कवर करने वाली बीमा सुविधा प्रदान की है। इस दौरान जीईएम के जरिए 10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार की सुविधा भी प्रदान की गई है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सार्वजनिक खरीद के लिए भारत के सबसे बड़े एवं प्रमुख सरकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इस दौरान जीईएम के जरिए 10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ 1.3 करोड़ से ज्यादा व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य, जीवन और व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवरेज सुनिश्चित किया गया, जो सामाजिक सुरक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

मंत्रालय के मुताबिक जनवरी, 2022 में आरंभ की गई बीमा सेवाओं की श्रेणी का उद्देश्य सरकारी खरीद प्रणाली में बीमा सेवाओं को अधिक पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और लागत-कुशल बनाना रहा है। जीईएम पर केवल भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा अनुमोदित सेवा प्रदाताओं को सूचीबद्ध किया जाता है। इसके जरिए सरकारी संस्थान अब ग्रुप मेडिक्लेम, टर्म इंश्योरेंस और पर्सनल एक्सीडेंट कवरेज जैसी बीमा सेवाओं को सीधे और सरल प्रक्रियाओं के जरिए प्राप्त कर सकते हैं। इससे क्रय प्रक्रियाओं में सहजता, प्रीमियम लागत में कमी और समयबद्ध सेवा वितरण संभव हुआ है।

जीईएम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजय भादू ने इस उपलब्धि पर कहा कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस अपने प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाने और सरकारी खरीदारों के लिए सहज, सुरक्षित और पारदर्शी खरीद प्रणाली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 1.3 करोड़ से अधिक लोगों को बीमा कवरेज प्रदान करने का यह आंकड़ा दर्शाता है कि सरकारी संस्थान, जीईएम को न केवल खरीद के लिए, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में भी अपना रहे हैं।

यह एकीकृत प्लेटफार्म सरकारी खरीदारों को विविध जरूरतों के अनुसार बीमा सेवाएं उपलब्ध कराता है, जिससे प्रवेश की सरलता, लागत में पारदर्शिता और सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो रहा है।

GeM Government e Marketplace

सेकेंड हैंड बाजार में नेक्सॉन की कीमत में मिल रही लग्जरी कारें

नई दिल्ली। अगर आप इस बजट में एक प्रीमियम और लग्जरी कार का अनुभव लेना चाहते हैं, तो सेकेंड हैंड बाजार में कुछ ऐसे विकल्प मौजूद हैं जो आपको नेक्सॉन की कीमत में ही मिल सकते हैं। जैसे कि 2011 मॉडल बीएमडब्ल्यू 525डी, जिसे 13.95 लाख रुपये में बेचा जा रहा है। यह कार केवल 58,000 किलोमीटर चली है और इसमें एफ 90 एम5 जैसा लुक दिया गया है। इसके साथ ही इंटीरियर में भी बदलाव कर नया इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और स्क्रीन जोड़ी गई हैं। इसमें सनरूफ, लेदर सीट्स और 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलता है, जो 217 बीएचपी की पावर देता है। दूसरा विकल्प है मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, जो मात्र 13.25 लाख रुपये में मिल रही है। इसमें 3.5-लीटर वी 6 पेट्रोल इंजन है जो 272 बीएचपी की ताकत देता है। एस-क्लास को लग्जरी का प्रतीक माना जाता है और इसमें रियर एंटरटेनमेंट स्क्रीन, इलेक्ट्रिक सीट्स और प्रीमियम इंटीरियर मिलता है। इसके अलावा 2017 की जगुआर एक्सई प्रेस्टिज 16.9 लाख रुपये में उपलब्ध है, जो कम उम्र और दमदार फीचर्स के कारण एक बेहतरीन विकल्प है। वहीं, 2016 की ऑडी ए6 भी 18.5 लाख रुपये में मिल रही है, जिसमें प्रीमियम इंटीरियर और एडवांस फीचर्स मौजूद हैं। कुल मिलाकर, यदि आप नेक्सॉन खरीदने का सोच रहे हैं, तो इन्हें भी एक बार जरूर देखें। बता दें कि टाटा नेक्सॉन भारत की सबसे लोकप्रिय सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी में से एक है, जो अपनी दमदार परफॉर्मेंस, फीचर्स और सुरक्षा के लिए जानी जाती है। इसका टॉप वेरिएंट मुंबई में ऑन-रोड करीब 18.60 लाख रुपये का आता है।

भारत में एआई पर खर्च में 2028 तक होगा 35 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) पर खर्च भारत में 2028 तक 35 फीसदी बढ़कर 9.2 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक बताया गया कि बढ़ता हुआ खर्च एआई की क्षमता को अधिकतम करने के लिए बेहतर डेटा गुणवत्ता, प्रशासन और क्लाउड माइग्रेशन की जरुरत को दिखाता है। रिपोर्ट में बताया गया कि 51 फीसदी भारतीय कंपनियां क्लाउड पर एआई सॉल्यूशंस होस्ट कर रही हैं। हालांकि, खराब गुणवत्ता एक चुनौती बनी हुई है।

रिपोर्ट में बताया गया कि गुणवत्तापूर्ण डेटा एक बड़ी समस्या है। भारत में 54 फीसदी, ऑस्ट्रेलिया में 40 फीसदी और आसियान में 40 फीसदी, एपीएसी में 50.4 फीसदी कंपनियां इसे चुनौती मानती हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 62 फीसदी भारतीय संस्थाओं ने डेटा गवर्नेंस और प्राइवेसी पॉलिसी में सुधार की जरुरत को पहचाना है, जबकि 28 फीसदी एआई डेटा पूर्वाग्रह की चुनौती जूझ रही थी।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय कंपनियां एआई-तैयार डेटा रणनीतियों को स्थापित करने के लिए डेटा एकीकरण, एमएल प्लेटफॉर्म और एनालिटिक्स में निवेश कर रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय संस्थाएं क्लाउड को अपनाने को एआई की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानती हैं। उन्होंने कहा कि एआई आधारित इनोवेशन को बढ़ाने के लिए, व्यवसायों को एक मजबूत, स्केलेबल डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरुरत होगी जो हाई-परफॉर्मेंस एआई एप्लीकेशंस का सपोर्ट करता हो।

एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि 36 फीसदी एंटरप्राइजेज जेनएआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और 46 फीसदी 12-24 महीनों के भीतर निवेश की योजना बना रहे हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बराबर है और 20 फीसदी संस्थाओं के पास एडवांस एआई क्षमताएं हैं, हालांकि देश आसियान से पीछे है, जहां 27 फीसदी संस्थाएं इस स्तर तक पहुंच चुकी हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इसकी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए, संस्थाओं को विश्वसनीय डेटा, मजबूत प्रशासन और इन्फ्रास्ट्रक्चर को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे एआई को प्रभावी और जिम्मेदारी से बढ़ाया जा सके।

नई कर्व डार्क एडिशन भारतीय बाजार में लॉन्च

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने नई कर्व डार्क एडिशन को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह कार कंपनी की डार्क एडिशन लाइनअप का हिस्सा बनी है, जिसमें पहले से हैरियर, सफारी, नेक्सॉन, पंच और इनके इलेक्ट्रिक वर्जन शामिल हैं। इसकी शुरुआती कीमत 16.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है। यह लॉन्च सिट्रोएन बेसाल्ट के डार्क एडिशन वेरिएंट के बाद हुआ है। कर्व डार्क एडिशन दो टॉप ट्रिम्स अकंप्लिश्ड एस और अकंप्लिश्ड +ए में उपलब्ध है। इसका लुक पूरी तरह ब्लैक थीम पर आधारित है जिसमें ब्लैक ग्रिल, अलॉय व्हील्स, रूफ रेल्स, और टिंटेड ग्लास के साथ हेडलैंप व टेललैंप पर स्मोक्ड इफेक्ट मिलता है।

म्युचुअल फंड्स में निवेशकों को पोर्टफोलियो ओवरलैप हुआ तो घटेगा रिटर्न

नई दिल्ली

म्युचुअल फंड्स उन निवेशकों के लिए बेहद वायदेमंद हैं जो अपने पैसे को अलग-अलग जगह लगाकर रिस्क कम करना चाहते हैं और एक्सपर्ट फंड मैनेजर पर भरोसा करते हैं, लेकिन इसमें जोखिम भी है पोर्टफोलियो ओवरलैप। कई निवेशकों का मानना है कि अगर उन्होंने कई फंड्स में निवेश किया है, तो उनका पैसा सुरक्षित है क्योंकि वह अलग-अलग जगहों पर फैला है, लेकिन अगर ये फंड्स एक ही तरह के स्टॉक्स में निवेश कर रहे हों, तो इसमें जोखिम और बढ़ा जाता है। इस ओवरलैप से डाइवर्सिफिकेशन का फायदा कम हो सकता है और आपके कुल रिटर्न में भी गिरावट आ सकती है।

आपके पोर्टफोलियो में मौजूद दो या ज्यादा म्युचुअल फंड्स एक जैसे या समान स्टॉक्स या सेक्टर्स में निवेश करते हैं, तो उसे ओवरलैप कहा जाता है। जैसे अगर आपने दो लार्ज-कैप इक्विटी फंड्स में निवेश किया है और दोनों ही फंड्स रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक या इंफोसिस जैसे ब्लूचिप स्टॉक्स में भारी निवेश कर रहे हों। ऐसे में रिस्क को अलग-अलग जगह बांटने की बजाय, आप एक ही कंपनियों में ज्यादा एक्सपोज हो जाते हैं, जिससे आपका जोखिम बढ़ सकता है।

एक ही कैटेगरी के कई फंड्स में निवेश किया तो हो जाएगा ओवरलैप

अपने पोर्टफोलियो में शामिल हर म्युचुअल फंड की टॉप 10 होल्डिंग्स को चेक करें। अगर आपको एक जैसे स्टॉक्स बार-बार दिखाई दें, तो इसका मतलब है कि आपके पोर्टफोलियो में काफी ओवरलैप है। वैल्यू रिसर्च, मॉर्निंगस्टार, ग्रो और डिजर्व जैसे प्लेटफॉर्म पोर्टफोलियो ओवरलैप एनालिसिस टूल्स उपलब्ध कराते हैं। ये टूल्स आपकी होल्डिंग्स में मौजूद एक जैसे स्टॉक्स और सेक्टर्स को जल्द और आसानी से दिखा देते हैं। आपने एक ही कैटेगरी के कई फंड्स में निवेश किया है तो ऐसे मामलों में अक्सर दोहराव और ओवरलैप होता है। आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड के डायरेक्टर ने कहा कि निवेशकों को म्युचुअल फंड ओवरलैप को कम करने और पोर्टफोलियो की क्षमता बढ़ाने के लिए रणनीतियों करें। सबसे पहले, उन्हें अलग-अलग फंड कैटेगरी में निवेश करके डाइवर्सिफिकेशन तय करें जैसे लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स का संतुलित मिश्रण। दूसरा हर म्युचुअल फंड की अंडरलाइंग होल्डिंग्स का विश्लेषण करना चाहिए ताकि किसी भी स्टॉक या सेक्टर में ओवरलैप की पहचान की जा सके और दोहरे निवेश को हटाकर बेहतर तरीके से पूंजी को दोबारा आवंटित किया जा सके। पालवे ने आगे कहा कि अंत में, निवेशकों को नियमित रूप से पोर्टफोलियो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए ताकि उनकी एसेट एलोकेशन वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप बनी रहे और समय के साथ सही डाइवर्सिफिकेशन बरकरार रखा जा सके। टाटा एसेट मैनेजमेंट की प्रोडक्ट हेड शैली गंग ने कहा कि निवेशकों को हर कैटेगरी में दो या तीन फंड्स का चयन करना चाहिए और अलग-अलग फंड हाउसेज में भी डाइवर्सिफिकेशन करना चाहिए।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोर संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान शॉर्ट कवरिंग के कारण गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। हालांकि यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

लगातार दो सत्रों में तेजी दिखाने के बाद पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में मुनाफा वसूली का जोर बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,396.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.05 प्रतिशत टूट कर 16,823.17 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 107.88 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 40,260.10 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 114.78 अंक यानी 1.39 प्रतिशत उछल कर 8,249.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,335.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 298.87 अंक यानी 1.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,253.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर बिकवाली का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में से इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,634.81 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,366 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.66 प्रतिशत टूट कर 2,461.02 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। हैंग सेंग इंडेक्स बड़ी गिरावट का शिकार हो गया है। फिलहाल यह सूचकांक 543.73 अंक यानी 2.53 प्रतिशत लुढ़क कर 20,922.54 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 368.76 अंक यानी 1.86 प्रतिशत टूट कर 19,488.91 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 311.29 अंक यानी 0.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 33,956.25 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,237.60 के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत फिसल कर 6,434.27 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.11 प्रतिशत लुढ़क कर 1,127.46 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

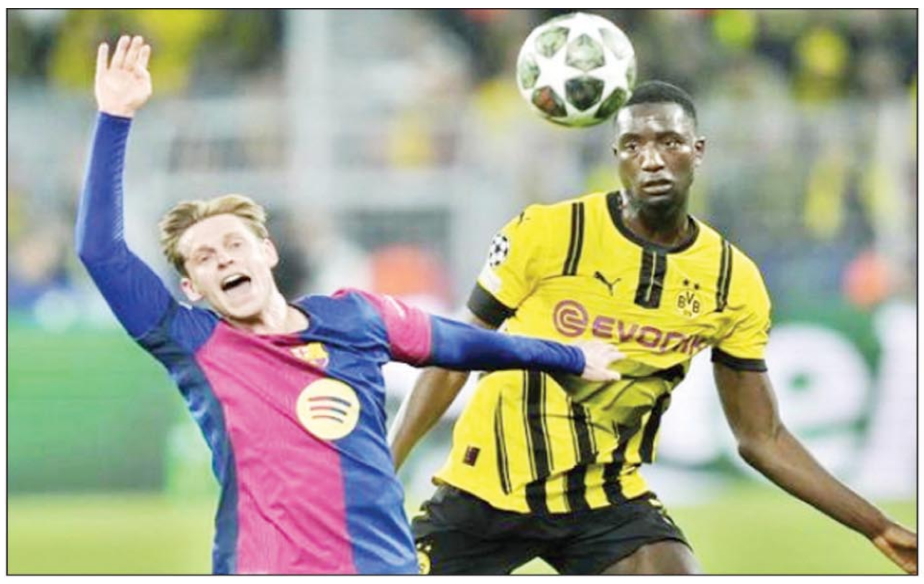

यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 : गुइरासी की हैट्रिक रही बेकार, बार्सिलोना से हारकर डॉर्टमंड टूर्नामेंट से बाहर

डॉर्टमंड

यूएफा चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टर फाइनल मुक़ाबले में सहरो गुइरासी ने शानदार हैट्रिक लगाई, लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम बोरुसिया डॉर्टमंड प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

डॉर्टमंड ने दूसरे चरण में बार्सिलोना को 3-1 से हराया, लेकिन पहले चरण में 4-0 की करारी हार के कारण कुल 5-3 के अंतर से पराजित होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं, बार्सिलोना ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

पहले चरण की बड़ी हार के बाद डॉर्टमंड ने किया जोरदार हमला -

पहले चरण में 4-0 की हार झेलने के बाद डॉर्टमंड के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और बार्सिलोना को बैकफुट पर धकेल दिया। गुइरासी ने पहले चरण में कई अवसर गंवाए थे, लेकिन इस बार उन्होंने 11वें मिनट में पेनल्टी पर कोई गलती नहीं की और अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

गुइरासी की हैट्रिक, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया दूसरे हाफ में गुइरासी ने 49वें मिनट में हेड से दूसरा गोल किया। इसके बाद 76वें मिनट में नज़दीक से तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की। इसी के साथ वे इस सत्र में यूएफा चैंपियंस लीग के सर्वोच्च गोल स्कोरर बन गए, उनके नाम अब 13 गोल हो गए हैं। हालांकि, इस बीच रामी बेन्सेबाइनी का आत्मघाती गोल डॉर्टमंड के लिए भारी पड़ गया और उनकी वापसी की उम्मीदों को झटका लगा।

बार्सिलोना ने बचाई बढ़त, सेमीफाइनल में पहुंची डॉर्टमंड ने अंत तक बराबरी की कोशिश की, लेकिन बार्सिलोना ने अपनी बढ़त को कायम रखा और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान या बायर्न म्यूनिख से होगा।

मैच का कुल स्कोर:

पहला चरण: बार्सिलोना 4-0 डॉर्टमंड

दूसरा चरण: डॉर्टमंड 3-1 बार्सिलोना

कुल स्कोर: बार्सिलोना 5-3 डॉर्टमंड।

न्यूज़ ब्रीफ

सुदीरमन कप के लिए भारतीय टीम घोषित, सात्विकसाईराज और चिराग शामिल

नई दिल्ली। चीन के जियामेन में 27 अप्रैल से 4 मई तक होने वाले बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप बैडमिंटन फाइनल 2025 के लिए 14 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को भी शामिल किया है। टीम में ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु, के अलावा लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय को भी शामिल किया गया है। सुदीरमन कप एक द्विवार्षिक टूर्नामेंट है, ये विश्व मिश्रित टीम चैंपियनशिप के नाम से भी जाना जाता है। इसमें 16 टीमें हिस्सा लेंगी। ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है। भारतीय बैडमिंटन टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 और 2017 में आया था, जब वे क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। पिछले संस्करण में, भारत मलेशिया और चीनी ताइपे से हारने के बाद ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था। भारत ने अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर इस मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए प्रवेश हासिल किया है। इसमें पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया, दो बार के उपविजेता डेनमार्क और इंग्लैंड की टीम भी शामिल है। इसमें सभी पांच श्रेणियों में सबसे बेहतर संयोजन रखा गया गया है। बीएआई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, हम अब टाई जीतने के लिए एक या दो मुकाबलों पर निर्भर नहीं हैं और यह हमें किसी भी टीम इवेंट में एक बड़ी ताकत बनाता है। हमें भरोसा है कि टीम न केवल ग्रुप चरणों में प्रभावित करेगी बल्कि पदक जीतकर एक उपलब्धि हासिल करेगी। हाल ही में हुई बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन से भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। सिंधु, लक्ष्य और प्रणय के होने से टीम में अमूल्य अनुभव आयेगा। वहीं सात्विक और चिराग के आने से टीम की ताकत बढ़ेगी। अनुपमा उपाध्याय सिंधु के बाद टीम में दूसरी महिला एकल खिलाड़ी होंगी। इसके अलावा, प्रिया कोनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की युवा जोड़ी भी शामिल है।

सुदीरमन कप में प्रत्येक मुकाबले में पांच मैच होते हैं। इसमें ड्रॉ के दौरान चार वरीयता प्राप्त टीमों को अलग-अलग समूहों में रखा गया था, जिसमें गत चैंपियन और मेजबान चीन ग्रुप ए में शीर्ष वरीयता प्राप्त है।

कांबली की सहायता के लिए आगे आये गावसकर

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली की सहायता के लिए सामने आये हैं। गावस्कर ने इससे पहले एक समारोह में वादा किया था कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे कांबली की सहायता करेंगे। जिसे अब वह पूरा करने जा रहे है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर अपने चैम्स फाउंडेशन के जरिए कांबली की मदद के लिए आगे आए हैं। यह संगठन उन पूर्व अंतरराष्ट्रीय खेल हस्तियों की मदद करता है, जिन्हें वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इससे अब हर माह कांबली को 30,000 रुपये की सहायता मिलेगी। इसके अलावा उन्हें सालाना 30,000 रुपये की चिकित्सा सहायता भी मिलेगी। गावस्कर ने कहा था कि वह और 1983 विश्व कप विजेता टीम युवा खिलाड़ियों को लेकर बहुत सजग हैं, जिनमें से कुछ उनके बेटे और पोते जैसे हैं। इसके बाद उन्होंने वादा किया कि वे कांबली का ख्याल रखना चाहते हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में सहायता करना चाहते हैं। गावस्कर ने कहा कि मुझे मदद शब्द पसंद नहीं है। हम उनका ख्याल रखना चाहते हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद करना चाहते हैं। हम भविष्य में क्या करेंगे, यह हम देखेंगे।

केकेआर में बने रहने मैंने 9 से 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव ठुकराये : रमनदीप

नई दिल्ली। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे युवा ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने कहा है कि मेगा नीलामी से पहले उन्हें दूसरी टीमों से 9 से 10 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव आया था पर उन्होंने केकेआर को नहीं छोड़ा। रमनदीप की पिछले साल केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें कई टीम शामिल करने के लिए तैयार थीं। 2024 में उन्होंने केकेआर के लिए कई अच्छी पारियां खेली थी। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें चार करोड़ रुपये में टीम में बनाये रखा। रमनदीप ने कहा, नीलामी से पहले कई टीम ने मुझसे संपर्क किया था। इसमें मुझसे कहा गया था कि टीम में बने मत रहना, हम आपको नीलामी में 9 से 10 करोड़ रुपये दे सकते है पर मेरे लिए ईमानदारी मायने रखती है क्योंकि जब मुझे जरूरत थी तब केकेआर ने मुझे मंच दिया था। वहीं इस बार जब रिटेंशन का फैसला होना था, तब वेंकी सर ने फोन करके कहा, 'आप हमारी रिटेंशन योजनाओं में शामि हैं, आप क्या सोच रहे हैं ।

कप्तान अजिंक्य रहाणे ने लिया केकेआर की हार का जिम्मा, बोले-हमने बेहद खराब बल्लेबाजी की

चंडीगढ़

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में मंगलवार रात कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 16 रन की हार का सामना करना पड़ा। महज 112 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। मैच के बाद बेहद हताश दिख रहे कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की ज़िम्मेदारी लेते हुए कहा कि यह बैटिंग यूनिट की सामूहिक नाकामी थी। मैच के बाद प्रेजेंटेशन में रहाणे ने कहा, जो भी हुआ वो आप सबने देखा। काफी निराश हूं। मैं इसकी ज़िम्मेदारी लेता हूं। बतौर कप्तान मैंने भी गलत शॉट खेला, भले ही गेंद मिस कर रही थी, लेकिन वहीं से सिलसिला शुरू हुआ। हमने एक बैटिंग यूनिट के तौर पर बहुत खराब प्रदर्शन किया। हमारे बॉलर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन किया था, 111 रन पर पंजाब जैसी मजबूत टीम को रोकना आसान नहीं था। रहाणे ने माना कि 112 रन का टारगेट चेज़ करना आसान था, लेकिन बल्लेबाज़ों ने लापरवाही से शॉट खेले। उन्होंने यह भी बताया कि अपने विकेट के वक्त उन्होंने डीआरएस नहीं लेने का फैसला इसलिए किया क्योंकि दोनों बैटर्स के बीच कम्युनिकेशन क्लियर नहीं था।उन्होंने कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए था कि मैं रिव्यू ले लूं और फिर बाद में वो एक बचा रहे। कम्युनिकेशन अच्छा नहीं था। शायद अंपायर का कॉल या गेंद लग भी सकती थी। लेकिन कोई शिकायत नहीं है। सच तो यह है कि हमने बैटिंग यूनिट के तौर पर बेहद खराब क्रिकेट खेला। चहल ने मचाई तबाही, 7 विकेट सिर्फ 23 रन पर गिरे रहाणे और अंगकृष रघुवंशी (37 रन, 28 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 55 रन जोड़कर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन रहाणे के आउट होते ही मैच का रुख पलट गया। युजवेंद्र चहल ने 4 विकेट लेकर केकेआर की मिडल ऑर्डर की कमर तोड़ दी। आखिरी 7 विकेट महज 23 रन पर गिर गए। टी20 सिर्फ सिक्स लगाने का खेल नहीं रहाणे ने कहा, आजकल बैटर्स मैदान पर अच्छे दिखने के लिए बड़े शॉट लगाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन टी20 क्रिकेट सिर्फ सिक्स-चौकों का खेल नहीं है। हालात को पढ़ना और उसी हिसाब से खेलना ज़रूरी है। हमें उस वक्त सिंगल-डबल लेकर पारी को आगे ले जाना चाहिए था। विकेट फ्लैट नहीं था, बॉलर्स को मदद मिल रही थी। लेकिन हमने ज़रूरी धैर्य और गेम अवेयरनेस नहीं दिखाई।

घरेलू स्तर पर आयुष का रहा है शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। चेन्नई सुपरकिंग्स ने कोहनी की चोट के कारण बाहर हुए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह 17 साल के युवा आयुष म्हात्रे को टीम में शामिल किया है। आयुष ने इस दौरान रेस में पृथ्वी शॉ को पीछे छोड़ा जबकि माना जा रहा था कि अनुभवी होने के कारण पृथ्वी को अवसर मिलेगा। आयुष ने हाल के दिनों में घरेल स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान खींचा था। आयुष मुंबई की ओर से खेलते हैं। इस क्रिकेटर ने 9 फर्स्ट-क्लास मैचों के साथ-साथ ही सात लिस्ट ए मैच भी खेले हैं। फर्स्ट-क्लास मैच में 150 से अधिक रन बनाने वाले वह सबसे युवा खिलाड़ी हैं। आयुष को सीएसके ने 30 लाख के आधार मूल्य पर शामिल किया है। इस उभरते खिलाड़ी ने हाल ही में मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट में अच्छी शुरुआत करते हुए सीएसके की ओर से ट्रायल्स भी दिए थे। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 31.50 की औसत से एक अर्धशतक और दो शतक से 504 रन बनाकर प्रभावित किया था। लिस्ट ए क्रिकेट में आयुष ने सात मैचों में 65.42 की शानदार औसत से 458 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक और दो शतक शामिल हैं। पिछले साल 2024 में नागालैंड के खिलाफ खेले गए मैच में म्हात्रे ने 117 गेंदों पर ही 181 रन बनाये। फर्स्ट-क्लास मैच में 150 से अधिक रन बनाने वाले वह सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वह ईरानी ट्रॉफी में भी विजेता टीम का हिस्सा थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। आयुष मुंबई के बाहरी इलाके विरार से हैं। उनका यहां तक का सफर आसान नहीं रहा है। वह घर से हर दिन करीब 80 किलोमीटर की दूरी तय कर क्रिकेट अकादमी पहुंचते थे। उनके दादा उन्हें क्रिकेटर बनने में अहम भूमिका निभाई। दादा ही हर दिन आयुष को स्कूल और क्रिकेट कोचिंग के लिए ले जाते थे।

चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी और बास्केटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 17 अप्रैल से, खालसा कॉलेज करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज में 17 अप्रैल से चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी (पुरुष व महिला) और बास्केटबॉल (पुरुष व महिला) टूर्नामेंट का आयोजन होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट हर वर्ष आयोजित किया जाता है और इस बार भी खेल प्रेमियों को शानदार मुक़ाबले देखने को मिलेंगे।

प्रतियोगिता का उद्घाटन हॉकी ओलंपियन और 1975 वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य अशोक दिवान के हाथों होगा। इस अवसर पर पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री गौतम वढेरा और मेज़बान खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह भी मौजूद रहेंगे। हॉकी में 10 टीमें, बास्केटबॉल में 16 टीमें लेंगी हिस्सा कॉलेज की डायरेक्टर फिजिकल एजुकेशन, इंदरप्रीत कौर नंदा के अनुसार टूर्नामेंट में पुरुष हॉकी वर्ग में 6 टीमें और महिला हॉकी वर्ग में 4 टीमें उतरेंगी। पुरुष वर्ग में मुकाबले लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में जबकि महिला वर्ग में राउंड रॉबिन लीग फॉर्मेट में खेले जाएंगे।

21 अप्रैल से शुरू होगी बास्केटबॉल प्रतियोगिता

बास्केटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत 21 अप्रैल से होगी, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 8-8 टीमें भाग लेंगी। यह प्रतियोगिता भी लीग कम नॉकआउट फॉर्मेट में खेली जाएगी और फाइनल मुकाबले 25 अप्रैल को आयोजित किए जाएंगे। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सहयोग से किया जा रहा है। आयोजन समिति को उम्मीद है कि टूर्नामेंट के ज़रिए युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने का बेहतरीन अवसर मिलेगा।

आईटीटीएफ महिला विश्वकप

मकोओ में आईटीटीएफ महिला विश्वकप में खेलती हुई लिंडा बरगेस्टोर्म।

आईएसएसएफ विश्व कप : सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण, मनु भाकर ने रजत पर किया कब्ज़ा, सौरभ चौधरी को कांस्य

नई दिल्ली

पेरू के लीमा में चल रहे अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सुरुचि इंदर सिंह ने स्वर्ण और मनु भाकर ने रजत पदक अपने नाम किया। वहीं, पुरुष वर्ग में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर लंबे समय बाद वापसी की।

18 वर्षीय सुरुचि ने मनु को 1.3 अंकों से हराया

सुरुचि इंदर सिंह ने चयन दौर (क्वालिफिकेशन राउंड) में 582 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि मनु भाकर ने 578 अंकों के साथ अंतिम आठ (फाइनल-8) में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबले में सुरुचि ने बेहतरीन निशानेबाजी करते हुए 243.6 अंक अर्जित किए और अपनी अनुभवी साथी निशानेबाज मनु भाकर (242.3) को 1.3 अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया।

सौरभ चौधरी ने 2022 के बाद जीता पहला व्यक्तिगत पदक

पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने चयन दौर में 578 अंक बनाकर सातवें स्थान के साथ अंतिम आठ में जगह बनाई।

फाइनल में सौरभ ने जोरदार शुरुआत की और शुरुआती दौर के बाद दूसरे स्थान पर थे। हालांकि, चीन के हु काई ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 246.4 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। ब्राज़ील के फेलिप अल्मेडा वू ने 241.0 अंक बनाकर रजत पदक हासिल किया। सौरभ ने 219.1 अंक बनाकर कांस्य पदक प्राप्त किया।

वरुण तोमर और अन्य भारतीय निशानेबाज़ों का प्रदर्शन

अंतिम आठ में पहुंचे एक अन्य भारतीय वरुण तोमर ने 198.1 अंकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया।

चयन दौर में आकाश भारद्वाज ने तीसरे सर्वश्रेष्ठ 583 अंक बनाए, लेकिन वह रैंकिंग अंक हेतु (आरपीओ) के अंतर्गत खेल रहे थे, इसलिए पदक स्पर्धा में भाग नहीं ले सके।

रविंदर सिंह (574) और अमित शर्मा (आरपीओ, 573) ने क्रमशः 12वें और 16वें स्थान पर स्थान प्राप्त किया।

ओलंपिक 2028: क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा, अमेरिका के पोमोना में बनेगा खास अस्थायी स्टेडियम

नई दिल्ली

ओलंपिक खेलों में 124 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है और इसके लिए अमेरिका के साउदर्न कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में खास अस्थायी स्टेडियम बनाया जाएगा। जो इस खेल का आयोजन स्थल होगा। एलए 28 ओलंपिक आयोजक समिति ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह आयोजन स्थल फेयरप्लेक्स कहलाता है, जो 500 एकड़ में फैला हुआ है और 1922 से लॉस एंजेलिस काउंटी फेयर की मेजबानी कर रहा है।

14 जुलाई से 30 जुलाई तक होंगे ओलंपिक 2028 - लॉस एंजेलिस में 14 जुलाई से 30 जुलाई 2028 तक होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट 1900 के बाद पहली बार शामिल होगा। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब क्रिकेट का आयोजन तेज़-तर्रार और रोमांचक ज्ञ20 फॉर्मेट में होगा, जिससे दुनियाभर के नए दर्शकों को जोड़ने की कोशिश होगी।

पुरुष और महिला वर्ग में 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा - एलए 28 ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में कुल 6-6 टीमें खेलेंगी। इसके लिए क्रिकेट को 90 एथलीट कोटा मिला है, यानी हर टीम में 15 खिलाड़ियों का स्क्वाड होगा। हालांकि क्वालिफाइंग रास्ता और कट-ऑफ्स का ऐलान अभी नहीं हुआ है।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने दी प्रतिक्रिया - आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा, हम क्रिकेट के लिए ओलंपिक में वेन्यू की घोषणा का स्वागत करते हैं। यह हमारे खेल की ओलंपिक में वापसी की तैयारी की दिशा में अहम कदम है। क्रिकेट वैसे तो एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन ओलंपिक जैसे मंच पर टी 20 फॉर्मेट में खेलना नई ऑडियंस तक पहुंचने का शानदार अवसर होगा।

करुण नायर की पत्नी सनाया भी सोशल मीडिया पर है काफी सक्रिय

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में करुण नायर ने तीन साल बाद वापसी करते हुए पहले ही मैच में इम्पेक्ट प्लेयर के तौर पर धमाकेदार पारी खेलकर सबको हैरान कर दिया। करुण को इस सत्र में दिल्ली कैपिल्स ने शामिल किया था। करुण ने अपने पहले ही मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 40 गेंदों पर ही 89 रन बनाये। इस मैच के दौरान सोशल मीडिया पर करुण नायर की पत्नी सनाया भी जमकर ट्रेंड हुई। सनाया और करुण ने प्रेम विवाह किया था। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रही हैं। सनाया ने करुण की आईपीएल में वापसी के जश्न की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में जारी की थी। सनाया एक मीडिया पेशेवर और खेल और मनोरंजन सलाहकार हैं। इस जोड़े ने जून 2019 में गोवा में सगाई की और जनवरी 2020 में उदयपुर में शादी की, जिसमें पारसी और मलयाली दोनों परंपराओं को दर्शाया गया है। उनके मित्रों और परिवारों के अलावा, नायर के सहकर्मी और टीम के साथी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, वरुण एरॉन और श्रेयस अय्यर उनके विवाह समारोह में शामिल हुए थे। सनाया सोशल मीडिया में आमतौर पर अपने पारिवारिक जीवन के पलों को साझा करती हैं और अपने पति के क्रिकेट करियर में सहयोग के पलों की तस्वीरें साझा करती रही हैं।

शरीर को परफेक्ट शेप देती है स्विमिंग

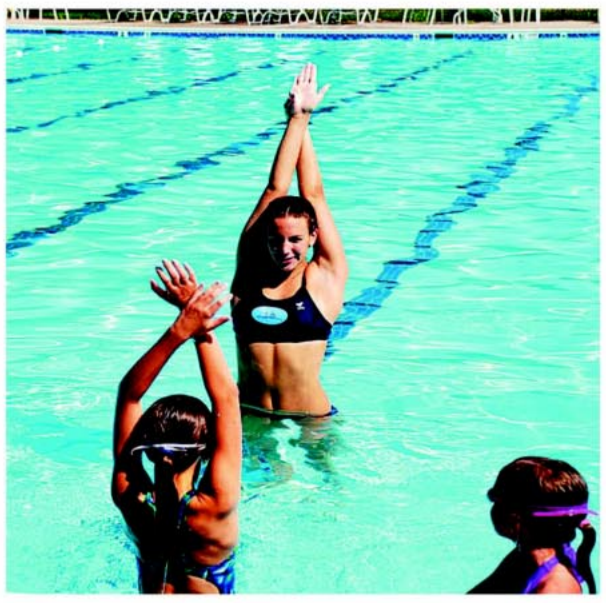

इस जानलेवा गर्मी में आपके सेहत और स्वास्थ के लिए परफेक्ट है स्विमिंग। स्विमिंग करना है ही ऐसा शौक! जिससे बहुत दिनों तक दूर रहा ही नहीं जा सकता और अगर आपको स्वीमिंग के सेहतभरे लाभ पता चल जाएंगे तो आप झट से पूल की ही ओर दौड़ेगे। स्विमिंग अपने आपमें एक बेहतरीन एक्सरसाइज है जो हमारे शरीर को आकर्षक बना देता है। शायद इसी कारण से महिलाओं को स्विमिंग करना इतना पसंद आता है।

बॉडी को बनाए लचीला

बॉडी में ज्यादा से ज्यादा लचीलापन लाने के लिए काफी लोग जिम और अन्य प्रकार के व्यायामों की मदद लेते हैं। लेकिन स्विमिंग करना भी एक एक्सरसाइज ही है। जिससे आपके शरीर के हर हिस्से में लचीलापन बना रहता है।

स्ट्रेस करें दूर

तनाव रहने पर आप किसी भी काम के ठीक से नहीं कर पाते। लेकिन स्विमिंग करने से टेंशन से राहत मिलती है और आपका माइंड अच्छे से काम करेगा। इससे आपके पूरे शरीर की एक्सरसाइज हो जाती है।

मोटापा होता है कम

स्विमिंग को कैलोरी बर्न वाले बेहतर एक्सरसाइज में से एक है। तैरने से मोटापर कंट्रोल में रहता है और वजन भी कम होता है। हर रोज 30 मिनट तैरने से शरीर से लगभग 440 कैलोरी कम हो जाती है।

पूरे शरीर का व्यायाम

स्विमिंग करते वक्त आप पूरे शरीर की ताकत लगती है तो वो एक अच्छा वर्कआउट माना जाता है। अगर आपको कोई एक ऐसा व्यायाम पसंद करना हो जिसमें पूरे शररीर का उपयोग होता हो तो, स्वीमिंग से अच्छा और क्या हो सकता है भला।

दिल और फेफड़े

तैराकी एक ऐसा व्यायाम है जिसको करने से सांस बार-बार अंदर बाहर खींचनी पड़ती है। इसलिए यह दिल और फेफड़े के लिए अच्छी मानी जाती है। स्विमिंग कर लेने से आपके शरीर को दिमाग को बहुत राहत मिलती है।

चाय एंटी आक्सीडैंट्स का उत्तम स्रोत

यू.एस. डिपार्टमैंट आफ एग्रीकल्चर एंड ह्यूमन न्यूट्रीशनल रिसर्च के विशेषज्ञों के एक शोध के अनुसार चाय एंटी आक्सीडैंट्स का उत्तम स्रोत है जिससे बहुत से स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। हरी और काली चाय में पाया जाने वाला पॉलीफीनोल अन्य किसी एंटी आक्सीडैंट की तरह शरीर के सैल्स को सुरक्षा प्रदान करता है। इस शोध में यह भी पाया गया कि चाय में मौजूद एंटीआक्सीडैंट्स की क्षमता फलों व सब्जियों की तुलना में अधिक होती है।

बच्चों में फूड फोबिया

कुछ बच्चे खाने और पीने को लेकर बहुत ही प्रतिबंधीत हो सकते हैं। वे अक्सर कुछ खानों से बचते हैं क्योंकि वे बिमार होने और नए खाने और गेगिंग, चोकिंग से डरते हैं। खाने और पीने से मना करने पर खाने के समय युद्धक्षेत्र में बदल सकता है। हालांकि फूड फोबिया वाले बच्चे स्वस्थ होते है और ग्रोथ और विकास सही ढंग से करते है जो वो खाते है या पीते हैं उसी से ज्यादा कैलोरी और पोषक मिलते हैं।

गर्मी में आपका सच्चा साथी है पुदीना

पुदीना एक अच्छा माउथफ्रेशनर तो है ही ये हाजमे के लिए भी बहुत अच्छा है। इसके सेवन से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती है। पुदीने की चटनी बहुत स्वादिष्ट होती है। पुदीना शानदार एंटीबॉयटिक की तरह भी काम करता है। गर्मियों पुदीना के इस्तेमाल के ढेरों फायदे हैं। आइए हम आपको पुदीने के कुछ खास गुणों के बारे में बताते हैं।

देशी प्राकृतिक माउथफ्रेशनर

मुंह में बदबू आने पर पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीने के रस को पानी में मिलाकर कुल्ला करने से मुंह की बदबू दूर होती है। इससे मुंह में ठंडक का भी एहसास होता है।

घाव पर असरदार

पुदीना का रस किसी घाव पर लगाने से जख्म जल्दी भर जाते हैं। यदि किसी घाव से बदबू आ रही है तो इसके पत्ते का लेप लगाने से बदबू आना बंद हो जाती है। पुदीना कई प्रकार के चर्म रोगों को समाप्त करता है। चर्म रोग होने पर पुदीना के पत्तों का लेप लगाने से आराम मिलता है।

लू से बचाता है पुदीना

गर्मी में लू लगने के के बाद पुदीने का सेवन करना चाहिए। लू लगने पर रोगी को पुदीने का रस और प्याज का रस देने से फायदा होता है। बुखार होने पर पुदीना पीना चाहिए, इससे बुखार में फायदा होता है। बुखार में पुदीने को पानी में उबालकर थोड़ी चीनी मिलाकर उसे गर्म-गर्म चाय की तरह पीना चाहिए।

कई रोगों में काम आता है

हैजा होने पर पुदीना बहुत फायदा करता है। हैजा होने पर पुदीना, प्याज का रस, नींबू का रस बराबर-बराबर मात्रा में मिलाकर पिलाने से लाभ होता है। उल्टी होने पर आधा कप पुदीना का रस हर दो घंटे पर रोगी को पिलाइए, इससे उल्टी आना बंद हो जाएगा। टॉसिल्स से परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इससे गरारे करना फायदेमंद होगा।

पेट का दोस्त

अजीर्ण होने पर पुदीने का रस पानी में मिलाकर पीने से फायदा होता है। पेटदर्द होने पर पुदीने को जीरा, हींग, काली मिर्च में नमक मिलाकर पीने से पेट का दर्द समाप्त हो जाता है।

महिलाओं का साथी

पुदीना महिलाओं का सच्चा दोस्त है गर्भवती महिला को प्रसव के समय पुदीने का रस पीना चाहिए, इससे आसानी से प्रसव हो जाता है। ताजा-हरा पुदीना पीसकर चेहरे पर बीस मिनट तक लगा लें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इससे त्वचा की गर्मी समाप्त होती है और ग्लो आता है।

हिचकी का एंटी डोज

हिचकी आने पर पुदीना का प्रयोग करना चाहिए, इससे हिचकी आना बंद हो जाता है। अगर पैर के तलवों जलन की शिकायत रहती है तो फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाएं तुरंत राहत मिलेगी।

कब करें दूसरी प्रेग्नेंसी की प्लानिंग

घर में दूसरे बच्चो का जन्म खुशी के साथ ही चुनौतियों भी लेकर आता है। ऐसे में खासकर मां की जिम्मेदारी कई गुना बढ जाती है। अपनी हैल्थ के साथ ही दो बच्चों का ख्याल रखना आसान काम नहीं, इसलिए दूसरे बच्चे की प्लानिंग से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

आज की तेजी से बदलती लाइफस्टाइल में जहां शादी की उम्र बढ जा रही है, वहीं बड़ी उम्र में शादी करने वाली महिलाएं जल्द से जल्द दूसरे बच्चे के बारे में भी सोचने लगती हैं। क्योंकि वो अपनी बढती उम्र को लेकर चिंतित रहती हैं, लेकिन डॉक्टर्स का मानना है कि पहली और दूसरी प्रेग्नेंसी के बची कम से कम 18 महीने से लेकर 2 साल का गैप होना चाहिए। ये मां और बच्चो की हैल्थ के लिए बेहद जरूरी है।

आजकल ज्यादातर महिलाएं जहां 30 साल के बाद मां बन रहीं हैं, वहीं दूसरे बच्चो की प्लानिंग भी वो जल्दी करना चाहिए हैं। उन्हें डर लगा रहता है कि बढती उम्र कहीं उनकी प्रेग्नेंसी में रूकावट न बना जाए। दसूरे बच्चो की चाहत में कई बार वो अपनी हैल्थ को भी नजरअंदाज कर देती है।

विशेषज्ञों के मुताबिक कुछ महिलाएं दूसरे बच्चो को लेकर इतनी उत्साहित रहती हैं कि पूरी तरह रिकवर हुए बिना ही सेकंड चाइल्ड की प्लानिंग कर लेती हैं, जबकि ऐसा करना उनकी और बच्चो की हैल्थ के लिए खतरनाक हो सकता है। प्रेग्नेसी के लिए महिला का पूरी तरह स्वस्थ होना बेहद जरूरी है। फर्स्ट प्रेग्नेंसी के बाद महिलाओं की बॉडी को रिकवर होने में वक्त लगता है, इसलिए डॉक्टर्स पहले बच्चो के दो साल बाद ही दूसरे की प्लानिंग की सलाह देते हैं।

प्यार और देखभाल के साथ ही बच्चो की परवरिश में एक और चीज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और वो है पैसा। बच्चो के जन्म से लेकर उसके स्कूल-कॉलेज जाने तक उसको उस पर अच्छा-खासा खर्च करना पड़ता है अतः सेकंड चाइल्ड के बारे में सोचने से पहले अपना आर्थिक स्थिति का जायजा भी ले लें यानी यह देख लें कि क्या आप दो बच्चों को अच्छी परवरिश देने की स्थिति में है।

गर्मी के दिनों में खान-पान में सावधानी न बरतना पड़ सकता है भारी

...तो आपको हो सकता है डिहाइड्रेशन

गर्मी के दिनों में खाने-पीने का जरूर ध्यान रखें, वरना आप परेशानी में पड़ सकते हैं। जरा सी लापरवाही आपको बीमार बना सकती है। गर्मी के दिनों में खान-पान में लापरवाही से आपको डिहाइड्रेशन हो सकता है। आमतौर पर लोग अन्य मौसमों की तरह गर्मियों में भी खाने-पीने में लापरवाही बरतते हैं। ऐसा कर के वे खुद अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ करते हैं। तो आइए आज हम आपको बताएंगे कि आपको गर्मी के दिनों में किस तरह से संतुलित भोजन लेना चाहिए।

संतुलित भोजन लें...

गर्मी के दिनों में कुछ भी खाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बिल्कुल सादा और संतुलित भोजन ही लिया जाए। अगर आपको भूख न हो तो भोजन न करें, ऐसे में यदि आप कुछ भी खाते हैं तो वो आपको नुकसान कर सकता है। खुलकर भूख लगने पर ही भोजन ग्रहण करें और भूख से थोड़ा कम खाएं। थोड़ी-थोड़ी मात्रा में भोजन को अच्छी तरह चबा-चबाकर खाएं। यदि पेट में भारीपन महसूस हो तो गर्मी के दिनों में एक समय का भोजन न करें। खासतौर पर 50 वर्ष की आयु के बाद के लोगों को तो ठंडी चीजों का ही सेवन करना चाहिए। एक बार खाना खाने के 3-4 घंटे बाद तक पानी के सिवा और कुछ न लें।

लिक्विज चीजों का करें ज्यादा इस्तेमाल

खाना खाते वक्त पानी न पिएं, क्योंकि इससे भोजन ठीक से नहीं पचता और कब्ज की शिकायत बनी रहती है। भोजन ग्रहण करने के एक घंटा बाद पानी पिएं और बाकी समय में भी पानी पीते रहें। गर्मी के दिनों में ये प्रयास करें कि लिक्विड चीजों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करें, जैसे ठंडा पानी, लस्सी, जूस, नींबू पानी, आम का पना, जलजीरा इत्यादि। इससे आपके स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ेगा। खासतौर पर सुबह सुबह नाश्ते में फल या सब्जी का जूस, अंकुरित अनाज, फल, दलिया, दूध आदि लें। गर्मी के दिनों में खासतौर पर मई-जून के महीनों में खाने में साग-सब्जी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल किया जाना चाहिए। रात का भोजन 7-8 बजे तक कर लें। रात का भोजन सुपाच्य और हल्का होना चाहिए। सोने से कम-से-कम 3 घंटा पहले भोजन ग्रहण कर लेना चाहिए। ऐसा करने से भोजन आसानी से पच जाता है।

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं।

रेसिपी

केले की चाट

सामग्री

3 से 4 ताजे केले, व्रत के लिए सेंधा नहीं तो चाट मसाला स्वाद अनुसार, आधा टी स्पून लाल मिर्च, आधा कटा नींबू और आप चाहे तो आधा टी स्पून चीनी भी ले सकते हैं।

विधि

केलों को छील कर गोल गोल गोल काट लें। इसमें नमक या चाट मसाला स्वाद अनुसार मिला लें। हल्की सी लाल मिर्च डालें और ऊपर से नींबू निचोड़ लें। अब इच्छा हो तो चीनी भी डाल कर अच्छी तरह मिला लें। लीजिए तैयार है आपकी चटपटी शानदार केले की चाट। आप चाहें तो इसमें सेब और खीरा काट कर मिला लें और मिनी फ्रूट चाट भी बना सकते हैं।

फ्रूटी स्प्राउट सलाद

सामग्री

एक कप स्प्राउटस, एक सेब, एक संतरा, एक कप काले और हरे अंगूर मिले हुए, आधा कप अनार दाने, तीन चार स्ट्राबरी, एक नीबू का रस, पुदीने की कुछ पत्तियां, थोड़ा सा बारीक कटा हरा धनिया, नमक और चाट मसाला स्वाद के अनुसार।

विधि

एक बड़ा बर्तन लें और सारे फलों के साथ स्प्राउटस को भी उसमें मिला लें। सर्व करने से ठीक पहले इसमें कटा हरी धनिया और पुदीना की पत्तियां डाल कर मिलायें और इसमें टेस्ट के हिसाब से नमक और काला नमक डाल कर अच्छी तरह चला लें। इसमें नीबू निचोड़ कर फिर एक बार अच्छी तरह मिलाएं। आपका टेस्टी और हैल्दी फ्रूटी स्प्राउट सलाद तैयार है। आप इसे ब्रेकफास्ट भी खा सकते हैं और खाने के साथ भी।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**